भाद्रपद कृष्ण - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 27 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 19-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विपक्ष को राष्ट्रीय गौरव के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए : राजनाथ सिंह

6 अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

7 'अब रोल में सिर्फ ग्लैमर नहीं, गहराई भी होती है' : प्रिया बापट

फर्स्ट टेक

दिल्ली के 32 विद्यालयों को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के कम से कम 32 विद्यालयों को सोमवार को बम की धमकी मिली, जिससे दहशत फैल गई और छात्रों को परिसर से बाहर निकालकर जांच करनी पड़ी। हालांकि, बाद में गहन जांच के बाद ये धमकी झूठी साबित हुईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि सुबह 7.30 बजे से अपराह्न 12.25 बजे के बीच उसे 32 विद्यालयों में बम की धमकी देने वाले ई-मेल आने की सूचना प्राप्त हुई। अधिकारियों के मुताबिक सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई की गई और बम निरोधक दस्तों और खोजी कुत्तों के साथ दिल्ली पुलिस की कई टीमें विद्यालयों के परिसरों में पहुंचीं। पुलिस द्वारा यह पुष्टि किए जाने से पहले कि धमकियां फर्जी थीं, प्रत्येक परिसर में गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

सूरत की एक हीरा कंपनी से 25 करोड़ के हीरे चोरी

सूरत/भाषा। सूरत स्थित एक हीरा कंपनी की पॉलिशिंग और निर्यात इकाई से अज्ञात चोरों ने 25 करोड़ रुपये मूल्य के हीरे चुरा लिये। चोरों ने कीमती रत्न निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल करके धातु की तिजोरी तोड़ दी। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी पुलिस उपायुक्त (जोन 1) आलोक कुमार ने बताया कि यह घटना 15 से 17 अगस्त के बीच शहर के कपोदरा इलाके में डीके एंड संस डायमंड कंपनी के कार्यालय-सह-पॉलिशिंग इकाई में हुई, जिस दौरान सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि चूंकि कंपनी ने स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के मद्देनजर तीन दिन की छुट्टी घोषित की थी, इसलिए हीरे चोरी होने के समय इकाई में न तो कोई कर्मचारी और न ही सुरक्षा गार्ड मौजूद थे।

बदलाव के अगले 100-दिन के एजेंडा पर काम जारी : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि उनका मंत्रालय देश की आर्थिक वृद्धि को और तेज करने के लिए बदलाव के अगले 100-दिवसीय एजेंडा पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कारोबार सुगमता और जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने एक कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा, आज सुबह मेरी एक बैठक हुई, जिसमें हम बदलाव के अगले 100 दिन के एजेंडा पर चर्चा कर रहे थे, और हमने सामूहिक रूप से संकल्प लिया है कि अगले 100 दिन में हम 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए आह्वान का पालन करेंगे।

19-08-2025 सूर्यास्त 6:27 बजे | 20-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
81,273.75 (+676.09)	24,876.95 (+245.65)

सोना	चांदी
10,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आतंक ऑल आउट

सेना देगी अब आउटपुट,
जितना पब्लिक देगी इनपुट।
आतंकी हैं मच्छर जैसे,
हो जायेंगे सब ऑल आउट।
कुछ भी ना वे कर पाएंगे,
चाहे जितना कर लें साउट।
पर जन्मे जिस नापाक जगह,
कब होगी स्वच्छ यही डाउट।

मुलाकात

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सोमवार को मुलाकात की। शुभांशु शुक्ला 25 जून 2025 को 'एक्सिओम-4 मिशन' के तहत अंतरिक्ष में गए थे। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन रहे और 15 जुलाई को वापस लौटे। शुक्ला ने प्रधानमंत्री से लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। मोदी ने इसरो अंतरिक्ष यात्री की जैकेट पहने शुक्ला को गर्मजोशी से गले लगाकर उनका स्वागत किया और उनके कंधे पर हाथ रखकर उनके साथ चले। शुक्ला ने प्रधानमंत्री को 'एक्सिओम-4 मिशन' का 'मिशन पैच' और वह भारतीय तिरंगा भेंट किया, जो वह अपने साथ आईएसएस ले गए थे। जब शुक्ला और मोदी ने 29 जून को बातचीत की थी, तब आईएसएस पर पृष्ठभूमि में यह भारतीय तिरंगा लहरा रहा था। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''शुभांशु शुक्ला के साथ बहुत बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने अंतरिक्ष में उनके अनुभवों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में प्रगति और भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन सहित कई विषयों पर चर्चा की। भारत को उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है।''

भारत, चीन द्विपक्षीय संबंधों में चाहते हैं प्रगति : जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत और चीन द्विपीक्षीय संबंधों में आये कठिन दौर के बाद अब संबंधों को आगे बढ़ाना चाहते हैं , और इसके लिए दोनों देशों की ओर से स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जयशंकर भारत की यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ राजधानी में आयोजित बैठक में अपना प्रारंभिक वक्तव्य प्रस्तुत कर रहे थे। अक्टूबर 2024 में कज़ान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद चीन के किसी मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। जयशंकर ने कहा, ' हमारे संबंधों में एक कठिन दौर देखने के बाद, अब हमारे दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं। इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से एक स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच 24वें दौर की इस वार्ता में श्री वांग यी और उनके साथ आये चीनी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने कहा , ' यह अवसर हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और उन पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है।

2040 में भारतीय अंतरिक्ष यात्री चांद पर उतरेगा : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) यात्रा पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ''2040 में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह पर उतरेगा।

सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे पुन: आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री - 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका' विषय पर विशेष चर्चा प्रारंभ कराई।

विपक्षी दलों के सदस्यों की नारेबाजी के बीच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री 2040 में चांद की सतह पर उतरेगा। उन्होंने कहा कि इससे 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की सिद्धि होगी। उन्होंने इस दौरान शोर-शराबा कर रहे विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा, यह कहते हुए बहुत पीड़ा महसूस हो रही है कि जब मुल्क में जश्न का माहौल है और देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में उपलब्धियों का उत्सव मना रहा है, विपक्ष अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को भी बधाई देने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, आपकी नाराजगी सरकार के साथ हो सकती है।

पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की

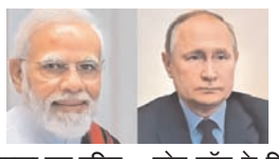

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने भारत के इस रुख से तब अवगत कराया जब पुतिन ने उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई शिखर वार्ता की जानकारी देने के लिए फोन किया था।

फोन पर बातचीत के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने लगातार यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है और वह इस संबंध में सभी प्रयासों का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, मेरे मित्र, राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद, फोन कॉल के लिए और अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी हालिया बैठक की अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए। भारत ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार आह्वान किया है और इस संबंध में सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

हमारी सरकार बनी तो चुनाव आयुक्तों पर सख्त कार्रवाई होगी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

निर्वाचन आयोग से मैं कहना चाहता हूं कि पूरा देश आपसे हलफनामा मांगेगा। हम हर राज्य, हर लोकसभा क्षेत्र, हर विधानसभा क्षेत्र में आपकी चोरी पकड़ेंगे और देश को दिखाएंगे।

गयाजी/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कथित 'वोट चोरी' को 'भारत माता पर आक्रमण' करार दिया और चेतावनी देते हुए कहा कि केंद्र और बिहार में 'इंडि' गठबंधन की सरकार बनने पर 'वोट चोरी' के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान गयाजी में सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के लिए विशेष पैकेज की बात करते हैं, उसी तरह निर्वाचन आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के रूप में विशेष पैकेज लेकर आया, जिसका मकसद नए ढंग से वोट चोरी करना है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि निर्वाचन आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है, लेकिन जनता इस आयोग से हलफनामा मांगेगी, क्योंकि जल्द उसकी चोरी पूरे देश में पकड़ी जाएगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''निर्वाचन आयोग यह कहता है कि एक सप्ताह के अंदर हलफनामा दो, जबकि जिम्मेदार वो हैं, चोरी उनकी पकड़ी गई। मुझे कहते हैं कि हलफनामा लाओ।'' उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग से मैं कहना चाहता हूं कि पूरा देश आपसे हलफनामा मांगेगा। हम हर राज्य, हर लोकसभा क्षेत्र, हर विधानसभा क्षेत्र में आपकी चोरी पकड़ेंगे और देश को दिखाएंगे।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''जैसे मोदी जी बिहार के लिए विशेष पैकेज की बात करते हैं, वैसे ये बिहार के लिए नया विशेष पैकेज लाए हैं, उसका नाम एसआईआर है।''

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि एसआईआर का मतलब नए तरीके से चोरी करना है।

सिंधु जल संधि सबसे बड़ी भूलों में से एक थी, प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक गलती सुधारी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह एक ऐसा निर्णय था जिसने भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हित को स्थायी रूप से खतरे में डाल दिया। सबसे भयावह पहलू यह था कि उन्होंने भारतीय संसद से परामर्श किए बिना ऐसा किया।

अगर प्रधानमंत्री मोदी का साहसिक नेतृत्व और 'राष्ट्र पहले' को लेकर उनकी प्रतिबद्धता न होती तो भारत आज भी एक व्यक्ति के गलत आदर्शवाद की कीमत चुकाता रहता।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि सिंधु जल संधि सबसे बड़ी भूलों में से एक थी और इसे निलंबित करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक और गंभीर ''ऐतिहासिक भूल'' को सुधारा है।

नड्डा ने 1960 की संधि को ''नेहरू की बहुत बड़ी भूल'' बताते हुए आरोप लगाया कि इसने भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हित को स्थायी रूप से खतरे में डाल दिया। उन्होंने कहा, ''सिंधु जल संधि, 1960 पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी भूलों में से एक थी जिसने राष्ट्रीय हित को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की वेदी पर रख दिया। राष्ट्र को यह पता होना चाहिए कि जब पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे तो उन्होंने सिंधु बेसिन के 80 प्रतिशत जल को पाकिस्तान को एकतरफा तौर पर सौंप दिया था जिससे भारत के पास केवल 20 प्रतिशत हिस्सा रह गया था।''

नड्डा ने कहा, ''यह एक ऐसा निर्णय था जिसने भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हित को स्थायी रूप से खतरे में डाल दिया। सबसे भयावह पहलू यह था कि उन्होंने भारतीय संसद से परामर्श किए बिना ऐसा किया।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''इस संधि पर सितंबर 1960 में हस्ताक्षर किए गए थे लेकिन इसे संसद में दो महीने बाद नवंबर में और वह भी केवल दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए रखा गया।'' भाजपा नेता ने कहा कि यह संधि इतनी ''बड़ी भूल'' थी कि पंडित नेहरू की पार्टी के सांसदों ने भी इसका कड़ा विरोध किया था। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (नेहरू ने) बहुत कुछ दिया लेकिन बदले में कुछ भी नहीं पाया। कांग्रेस के अशोक मेहता ने इस संधि की कड़ी आलोचना की थी और इसे देश के लिए 'दूसरे विभाजन' के समान बताया था। उनके शब्दों ने नेहरू के पूरी तरह समर्पण करने को लेकर न केवल उनकी अपनी पार्टी के भीतर बल्कि पूरे विपक्ष और पूरे देश में महसूस किए गए दुःख और सदमे को व्यक्त किया।''

भाजपा नेता ने कहा, ''अगर प्रधानमंत्री मोदी का साहसिक नेतृत्व और 'राष्ट्र पहले' को लेकर उनकी प्रतिबद्धता न होती तो भारत आज भी एक व्यक्ति के गलत आदर्शवाद की कीमत चुकाता रहता। सिंधु जल संधि को निलंबित करके प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस द्वारा की गई एक और गंभीर ऐतिहासिक भूल को सुधारा है।''

नड्डा ने कहा कि एक युवा सांसद के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी ने नेहरू की सिंधु जल संधि की धज्जियां उड़ा दी थी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वाजपेयी ने चेतावनी दी थी कि नेहरू का यह तर्क त्रुटिपूर्ण था कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी।

अगर 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म रोकी गई, तो कानूनी रास्ता अपनाऊंगा : विवेक अग्निहोत्री

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोमवार को कहा कि अगर उनकी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' की रिलीज पश्चिम बंगाल में रोकी गई, तो वह कानूनी रास्ता अपनाएंगे।

कोलकाता में शनिवार को फिल्म के 'ट्रेलर' 'लॉन्च' में बाधा डाली गई। अग्निहोत्री ने दावा किया कि पहले एक मल्टीप्लेक्स ने कार्यक्रम रद्द कर दिया और फिर उसे एक होटल में निर्धारित किया गया, जहां बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और पुलिस ने वहां पहुंच कर अनुमति लिए जाने के बारे में पूछताछ शुरू कर दी।

फिल्म निर्देशक ने यहां संवाददाता सम्मेलन में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''हम संविधान के अनुसार काम करेंगे। हम कानून के अनुसार चलेंगे। अगर वे हमें रोकते हैं, तो हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे। हम क्या कर सकते हैं? हम भी आपकी तरह आम नागरिक हैं... हम प्रार्थना करेंगे कि सद्बुद्धि आए और राज्य सरकार ऐसा (रिलीज रोकने) न करे।''

'द बंगाल फाइल्स' फिल्म पांच सितंबर को रिलीज होने वाली है, जो 1946 के कलकत्ता दंगों पर आधारित है।

'द कश्मीर फाइल्स' और 'द ताशकंद फाइल्स' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अग्निहोत्री ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म से जुड़े कई विवादों पर भी बात की, जिसमें गोपाल चंद्र मुखर्जी के पोते शांतनु मुखर्जी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी भी शामिल है।

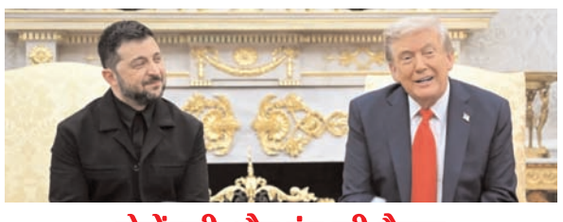

जेलेंस्की और ट्रंप की बैठक

यूक्रेन के लिए यूरोपीय सुरक्षा गारंटी का समर्थन करेगा अमेरिका : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आशा व्यक्त की कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में यूक्रेनी और यूरोपीय नेताओं के बीच सोमवार की महत्वपूर्ण वार्ता रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उस त्रिपक्षीय वार्ता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है, जिससे रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त किया जा सके। अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन के लिए यूरोपीय सुरक्षा गारंटी का समर्थन करेंगे।

ट्रंप ने इस प्रयास के तहत अमेरिकी सैनिकों की तैनाती को लेकर प्रतिबद्धता नहीं जताई, लेकिन कहा कि ''नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) जैसी'' सुरक्षा मौजूदगी होगी, लेकिन यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ दोपहर की बैठक में इससे जुड़े सभी विवरणों पर चर्चा की जाएगी।

ट्रंप ने कहा, ''वे सुरक्षा देना चाहते हैं और वे इसके लिए बहुत दृढ़ हैं तथा हम इसमें उनकी मदद करेंगे।... मुझे लगता है कि यह समझौता करना बहुत जरूरी है।''

अमेरिकी नेता ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को शीघ्र समाप्त कराने की कोशिशों में जुटे हैं।

बारिश से कई राज्यों में तबाही

महाराष्ट्र में 200 से अधिक लोग फंसे, किश्तवाड़ में मरने वालों की संख्या 63 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। भारी बारिश ने सोमवार को कई राज्यों में कहर बरपाया। सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र रहा, जहां बारिश के कारण 200 से अधिक लोग फंस गए थे और पांच के लापता होने की खबर है। बिगड़े हालात को देखते हुए अधिकारियों को बचाव कार्यों के लिए सेना की मदद लेनी पड़ी। वहीं हिमाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण करीब 400 सड़कें बंद हो गईं।

जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बादल फटने से प्रभावित गांव में मलबे से दो और शव बरामद किए गए, जिससे 14 अगस्त की आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 63 हो गई। रुक-रुक कर हो रही बारिश के बावजूद तलाशी अभियान पांचवें दिन भी जारी रहा।

मुंबई में लगातार बारिश की वजह से शहर थम सा गया, जिसके चलते बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएससी) को मंगलवार को विद्यालय और कॉलेज में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। देश की आर्थिक राजधानी के कई हिस्सों में सोमवार को नौ घंटों में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई।

मुंबई में लगातार बारिश के कारण जलभराव से प्रभावित चेंबूर के एक अस्पताल में भर्ती होने वालों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई लोगों को अपने बीमार परिजनों को पीठ पर लादकर बीएमसी द्वारा संचालित 'मां जनरल अस्पताल' तक जाते देखा गया। एक अधिकारी ने बताया कि शाम तक स्थिति नियंत्रण में आ गई।

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में लगातार बारिश के बीच बाढ़ में 200 से ज़्यादा लोग फंस गए, जिससे अधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए सेना बुलानी पड़ी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई से लगभग 600 किलोमीटर दूर जिले के मुखेड़ तालुका से पांच लोगों के लापता होने की सूचना है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर शेषाद्रिपुरम स्थित इस्कॉन में दो दिवसीय कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक, आरती, 56 भोग, पुष्पांजलि सेवा, पालकी उत्सव और झूलन सेवा शामिल थी। हाथी-घोड़े की पालकी के उद्घाटन समारोह पर नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से मंदिर का वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर के उत्तमकेशव दास, राकल कृष्ण दास, मधुसूदन हरि, उत्तम दामोदरदास, सुरेश्वर दास की पूरी टीम द्वारा कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। रविवार को वक्ताओं ने भगवान कृष्ण की महिमा का वर्णन किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने कहा, भारतीय लोग बांसुरी वाले कृष्ण की पूजा करते हैं और सुदर्शन चक्रधारी कृष्ण को अपना आदर्श मानते हैं। मंदिर की ओर से उनका सम्मान किया गया ।

अगर यात्री घंटों जाम में फंसा रहता है, तो वह टोल क्यों दे? : न्यायालय ने पूछा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से पूछा कि अगर केरल के त्रिशूर में 65 किलोमीटर लंबे राजमार्ग को तय करने में 12 घंटे लगते हैं, तो किसी यात्री को 150 रुपए के टोल (शुल्क) का भुगतान करने के लिए क्यों कहा जाए।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने यह टिप्पणी एनएचएआई और टोल वसूलने का अधिकार रखने वाली कंपनी 'गुरुवायूर इंफ्रास्ट्रक्चर' द्वारा दायर याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए की। याचिका में त्रिशूर के पलिएक्कारा टोल प्लाजा पर टोल संग्रह पर रोक लगाने के केरल उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। सीजेआई ने कहा, अगर किसी व्यक्ति को सड़क के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने में 12 घंटे लगते हैं, तो उसे 150 रुपए क्यों देने चाहिए? जिस सड़क पर एक घंटे का समय लगने की उम्मीद है, उसमें 11 घंटे और लगते हैं और उन्हें टोल भी देना पड़ता है।

सुनवाई के दौरान पीठ को सप्ताहांत में इस मार्ग पर लगभग 12 घंटे तक यातायात जाम रहने की जानकारी दी गई। उच्च न्यायालय ने छह अगस्त को राष्ट्रीय राजमार्ग 544 के एडापल्ली-मन्नुथी खंड की खराब स्थिति और निर्माण कार्यों के कारण उत्पन्न गंभीर यातायात जाम के आधार पर टोल निलंबन का आदेश दिया था।

एनएचएआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और टोल वसूल करने का अधिकार रखने वाली कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा, हम हर पहलू पर विचार करेंगे, आदेश सुरक्षित रखेंगे। न्यायमूर्ति चंद्रन ने कहा कि जिस दुर्घटना के कारण यह सड़क अवरुद्ध हुई, वह महज ''दैवीय कृत्य'' नहीं था, जैसा कि मेहता ने तर्क दिया, बल्कि एक ट्रक के गड्ढे में गिर जाने के कारण हुई थी। मेहता ने कहा कि जहां अंडरपास का निर्माण कार्य चल रहा था, वहां एनएचएआई ने सर्विस रोड उपलब्ध कराई थी, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि मानसून की बारिश ने निर्माण कार्य की गति धीमी कर दी है। उन्होंने एक उदाहरण भी दिया जिसमें टोल को निलंबित करने के बजाय आनुपातिक रूप से कम करने का सुझाव दिया गया था।

वहीं, गुरुवायूर इंफ्रास्ट्रक्चर ने कहा कि उसने 60 किलोमीटर का क्षेत्र अपने नियंत्रण में रखा है और उसने सर्विस रोड की रुकावटों के लिए 'पीएसजी इंजीनियरिंग' सहित तीसरे पक्ष के ठेकेदारों को दोषी ठहराया। दीवान ने उच्च न्यायालय के फैसले को ''बेहद अनुचित'' बताते हुए कहा, जब मैं दूसरों को सौंपे गए काम के लिए जिम्मेदार नहीं हूं, तो मेरी आय का स्रोत नहीं रोका जा सकता। मुझे सिर्फ़ 10 दिनों में ही 5-6 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। पीठ ने कहा कि टोल वसूली का अधिकार रखने वाली कंपनी को उच्च न्यायालय ने एनएचएआई के खिलाफ नुकसान का दावा करने की अनुमति दे दी है।

दीवान ने कहा कि यह अपर्याप्त है, क्योंकि दैनिक रखरखाव लागत जारी है और राजस्व वसूली रुक गई है। शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को टोल वसूली पर रोक लगाने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के प्रति अनिच्छा जतायी थी। उच्च न्यायालय ने छह अगस्त को टोल वसूली को चार सप्ताह के लिए स्थगित करने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा था कि जब राजमार्ग का रखरखाव ठीक से नहीं हो रहा है और यातायात जाम बहुत अधिक है, तो वाहन चालकों से टोल नहीं वसूला जा सकता।

मिट्टी के गणेश बनाने की निशुल्क कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । रविवार को शहर के वसंतनगर स्थित भगवान मारुति मंदिर में वनबंधु परिषद महिला समिति ने इको फ्रेंडली मिट्टी के गणेश बनाने की निशुल्क कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें 35 बच्चों व 15 अन्य लोगों ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए। प्रशिक्षक आदित्य कुमार ने सभी को मिट्टी से गणेश बनाना सिखाया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय समिति से सरिता भंसाली, स्थानीय अध्यक्ष कांता काबरा सहित लगभग 9 सदस्याओं की उपस्थिति थी। अंत में सभी ने मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया और आरती की।

सोशल मीडिया के जरिये 'संस्कृति को नष्ट किए जाने' की रोकथाम के लिए कार्ययोजना नहीं: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद में कहा कि सोशल मीडिया के जरिये ''भारतीय संस्कृति को नष्ट'' किए जाने के प्रयासों की रोकथाम के लिए फिलहाल कोई ''कार्ययोजना'' नहीं है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने माकपा के अमराराम द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार ने सोशल मीडिया के माध्यम से ''भारतीय संस्कृति को नष्ट किए जाने'' के प्रयासों की रोकथाम के लिए कोई कार्ययोजना तैयार की है।

माकपा सदस्य ने यह भी पूछा था कि क्या सरकार ने ''हमारी संस्कृति को दूषित करने वाले लोगों और कंपनियों'' के खिलाफ कार्रवाई के लिए कोई कानून बनाने का प्रस्ताव किया है।

रेलवे ने वित्त वर्ष 2022-23 में परिचालन खर्च 5,000 करोड़ रुपए कम दिखाया : कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपने परिचालन खर्च को 5,000 करोड़ रुपए से अधिक कम करके दिखाया। हाल ही में संसद के पटल पर रखी गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि रेलवे ने अपनी कमाई एवं खर्च के आधार पर वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2,517.38 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दिखाया। लेकिन यात्री सेवाओं के घाटे का माल ढुलाई से हुई कमाई से समायोजन किए जाने पर 5,257.07 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा सामने आया।

बही-खाते के ऑडिट में पाया गया कि रेलवे का कुल कार्यशील व्यय (विभिन्न कोषों में प्रावधान सहित) 2,37,659.58 करोड़ रुपए रहा जबकि यात्री परिवहन, माल ढुलाई एवं अन्य सेवाओं से इसकी आय 2,40,176.96 करोड़ रुपए रही। इस तरह रेलवे के बही-खाते में 2,517.38 करोड़ रुपए का अधिशेष नजर आया। हालांकि, यात्री एवं अन्य कोच सेवाओं पर दी जाने वाली 'क्रॉस-सब्सिडी' से संबंधित आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में रेलवे का कुल खर्च 2,45,393.71 करोड़ रुपए और कुल आय 2,40,136.64 करोड़ रुपए रही। इस तरह रेलवे को कुल 5,257 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। कैग की रिपोर्ट कहती है, इस आंकड़े से ऐसा निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि वित्तीय लेनदेन के सार में कुल कार्यशील व्यय को कम करके दिखाया गया है। खर्च को कम दिखाने से वास्तविक परिचालन अनुपात (ओआर) नहीं दिखेगा। इसके मुताबिक, रेलवे ने 2022-23 में ओआर 98.10 प्रतिशत दिखाया जबकि सही खर्च जोड़ने पर यह 101.33 प्रतिशत होता। बजट अनुमान में इसका लक्ष्य 96.98 प्रतिशत रखा गया था। कैग ने बताया कि रेलवे ने यात्री सेवाओं से 74,289.66 करोड़ रुपए और माल ढुलाई सेवाओं से 1,65,846.98 करोड़ रुपए कमाए।

राहुल गांधी से हलफनामा मांगने को लेकर

रेवंत रेड्डी ने 'वोट चोरी' मुद्दे पर निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 'वोट चोरी' मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से हलफनामा मांगने को लेकर सोमवार को निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए दावा किया कि आयोग लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष गांधी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने में विफल रहा।

तेलंगाना के 17वीं सदी के योद्धा सर्वई पापन्ना गौड़ की प्रतिमा की आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि वह जल्द ही राहुल गांधी के साथ एकजुटता प्रकट करने के लिए

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के साथ बिहार जाएंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, बिहार में चुनाव से पहले 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। राहुल गांधी ने इसका ब्योरा सामने रखा है। जब उन्होंने निर्वाचन आयोग से पूछा कि इन मतदाताओं के नाम क्यों हटाए गए, तो आयोग ने स्पष्टीकरण देने के बजाय उनसे हलफनामा मांग लिया। निर्वाचन आयोग ने गलती की थी, फिर भी वह राहुल गांधी से हलफनामा मांग रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े, जिससे सवाल उठते हैं, जबकि कर्नाटक में एक संसदीय क्षेत्र में 1.14 लाख से अधिक नए मतदाता जुड़े, जिससे कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार को 2024 में एक लाख मतों के अंतर से जीतने में मदद मिली।

बेरोजगारी दर जुलाई में घटकर 5.2 प्रतिशत पर आई: सरकारी सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। देश में बेरोजगारी दर जुलाई में घटकर 5.2 प्रतिशत पर आ गई जबकि जून में यह 5.6% थी। सोमवार को जारी सरकारी सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से यह आंकड़े सामने आए हैं। मई में भी बेरोजगारी दर 5.6% थी। वर्तमान साप्ताहिक स्थिति में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, जुलाई के दौरान सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए बेरोजगारी दर 5.2% रही। पुरुषों में बेरोजगारी की दर थोड़ी अधिक 5.3% रही, जबकि महिलाओं में यह 5.1% थी। जुलाई में शहरी क्षेत्रों में सभी आयु वर्ग के लिए बेरोजगारी दर बढ़कर 7.2 प्रतिशत हो गई जो जून में 7.1 प्रतिशत थी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी आयु वर्ग के लिए बेरोजगारी दर घटकर 4.4% रही जो इससे जून में 4.9% थी। सर्वेक्षण के मुताबिक, 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी घटकर जुलाई में 14.9% रही, जो जून 2025 में 15.3% थी।

सैमसंग के नोएडा संयंत्र में लैपटॉप का उत्पादन केवल भारत की मांग को पूरा करने के लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग के नोएडा संयंत्र में लैपटॉप उत्पादन का मकसद फिलहाल भारतीय बाजार की मांग को पूरा करना है। मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी।

भारत में अपने विनिर्माण पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए सैमसंग ने हाल में नोएडा स्थित एक कारखाने में लैपटॉप का उत्पादन शुरू किया है।

सैमसंग अबतक भारत में फीचर फोन, स्मार्टफोन, पहनने वाले उपकरण और टैबलेट बनाती रही है।

एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, नोएडा स्थित कारखाने में किया जा रहा लैपटॉप उत्पादन फिलहाल केवल भारतीय बाजार की मांग को पूरा करने के लिए है। इस संबंध में सैमसंग को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के अध्यक्ष और सीईओ जे बी पार्क और कॉरपोरेट उपाध्यक्ष एस पी चुन के साथ बैठक के बाद शनिवार को कहा था कि सैमसंग प्रतिभा और नवाचार के बल पर भारत में उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरणों के विनिर्माण को बढ़ावा दे रही है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार मूल्य और मात्रा, दोनों लिहाज से सैमसंग भारत में दूसरी सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी है, लेकिन वह अभी तक लैपटॉप खंड में अपनी पहचान नहीं बना पाई है।

आईआईटी गुवाहाटी व इसरो वैज्ञानिकों ने एक्स-रे सिग्नल को समझा

नई दिल्ली/भाषा। यूआर राव सैटेलाइट सेंटर, इसरो और इजराइल के हाइफ़ा विश्वविद्यालय के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने एक 'ब्लैक होल' से निकलने वाले रहस्यमयी एक्स-रे सिग्नल स्वरूप को समझा है। यह 'ब्लैक होल' पृथ्वी से लगभग 28,000 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। शोधकर्ताओं ने भारत की अंतरिक्ष वेधशाला 'एस्ट्रोसैट' से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए पाया कि 'ब्लैक होल' से निकलने वाली एक्स-रे चमक तेज और मंद चरणों के बीच बदली रहती है तथा प्रत्येक चरण कई सौ सेकंड तक चलता है। इस शोध के निष्कर्षों को प्रतिष्ठित पत्रिका 'मंथली नोटिसेज आफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी' में प्रकाशित किया गया है। दुनिया भर के शोधकर्ता 'ब्लैक होल' को समझने की दिशा में काम कर रहे हैं।

राष्ट्र मूल मूल्यों से बंधा, शत्रुतापूर्ण ताकतें लोगों को विभाजित करने का प्रयास करेंगी : नरवणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे ने सोमवार को कहा कि राष्ट्र अपने मूल मूल्यों और साझी विशेषताओं से बंधा हुआ है, लेकिन शत्रुतापूर्ण ताकतें धर्म और जाति के आधार पर लोगों को बांटने का प्रयास करेंगी। किताब 'कैंटोनमेंट कॉन्सपिरेसीज' के विमोचन के अवसर पर उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी साजिशों को समझना चाहिए और एकजुट रहना चाहिए।

नरवणे ने कहा, वह क्या है, जो हमें एक साथ बांधता है और हमें भारत बनाता है? यह संविधान ही है, जो राष्ट्र को एक साथ बांधता है और देश को आगे बढ़ा रहा है। मूल मूल्य या साझी विशेषताएं देश को एक साथ बांधती हैं। यह संविधान ही है, जो न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के इन मूल मूल्यों को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि यदि इन चार मूल मूल्यों को बढ़ावा दिया जाए तो कुछ भी गलत नहीं हो सकता और देश मजबूत और एकजुट रहेगा। ऐसी शत्रुतापूर्ण शक्तियां होंगी, ऐसे विरोधी हित होंगे, जो हमें विभाजित करने की कोशिश करेंगे। वे हमें धर्म के आधार पर, जाति के आधार पर बांटने की कोशिश करेंगे और कहेंगे कि

हमारे बीच एक-दूसरे से कोई समानता नहीं है। लेकिन हमें 'कैंटोनमेंट कॉन्सपिरेसीज' की तरह उस साजिश को समझने में सक्षम होना होगा। हमें उस साजिश को समझने में सक्षम होना होगा और विभाजित नहीं होना होगा। राष्ट्र बाहरी और आंतरिक दोनों ही खतरों का सामना कर रहा है, और आंतरिक खतरा ज़्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि अगर हम विभाजनकारी नीतियों का शिकार हो गए, तो ये हमें अस्थिर कर सकते हैं। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ़ सशस्त्र बलों तक सीमित नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के कई पहलू हैं, जिनमें खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, जल सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा शामिल हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए नए शुल्कों से उत्पन्न खतरे के बारे में उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति में दुनिया में कहीं भी होने वाली कोई भी घटना भारत को किसी न किसी तरह से प्रभावित कर सकती है।

यूपीआई, रुपे लेनदेन के लिए 437 करोड़ रुपए की सब्सिडी को बढ़ाना संभव: एसबीआई अर्थशास्त्री

मुंबई/भाषा। यूपीआई और रुपे कार्ड लेनदेन के जरिये डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आवंटित 437 करोड़ रुपए की वार्षिक सब्सिडी को बढ़ाया जा सकता है। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को यह उम्मीद जताई।

कुछ अनुमानों का हवाला देते हुए अर्थशास्त्रियों ने कहा कि यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) के प्रतिभागियों को ऑनलाइन भुगतान प्रणाली को बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपए तक की लागत वहन करनी पड़ रही है। उन्होंने एक टिप्पणी में कहा, वित्त वर्ष 2025-26 में लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए बजट में 437 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिसे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, अनुमान के अनुसार प्रतिभागियों को 4,000 से 5,000 करोड़ रुपए तक की लागत वहन करनी पड़ सकती है।

वित्त वर्ष 2024-25 में 2,000 करोड़ रुपए की सब्सिडी को घटाकर चालू वित्त वर्ष में 437 करोड़ रुपए कर दिया गया था। ऐसे में कुछ यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने की मांग उठी थी।

भाजपा ने विपक्षी दलों को अपने शासन वाले राज्यों में विधानसभा भंग करने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों को चुनौती दी कि यदि उन्हें निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर संदेह है तो वे उन राज्यों की विधानसभाओं को भंग कर दें जहां वे सत्ता में हैं। सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने के पीछे विपक्षी दलों का एकमात्र उद्देश्य घुसपैठियों को बचाना है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चोर चोर चिल्लाने की आदत बन गई है। उन्होंने दावा किया कि यह विडंबना है कि राहुल जैसे नेता या राजद के तेजस्वी यादव, जो कांग्रेस नेता की तरह भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हैं, संवैधानिक संस्थाओं पर चोरी का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने आरोप

लगाया कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियां भारत में पूरी तरह अराजकता चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ये दल देश में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसी अशांति फैलाना चाहते हैं।

विपक्षी दलों पर उनका हमला ऐसे समय हुआ है जब कांग्रेस, तृणमूल, सपा, द्रमुक और राजद समेत आठ विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि विपक्ष के सवालों का जवाब देने के बजाय उन्होंने रविवार को अपने संवाददाता सम्मेलन में उन पर हमला करना चुना।

सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के बीच मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। इस मुद्दे के कारण 21 जुलाई को शुरू हुए संसद के मानसून सत्र का कामकाज करीब करीब ठप पड़ गया है। लोकसभा और राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दो दिन की चर्चा ही सुचारू रूप से हो पाई।

विपक्षी दलों ने ज्ञानेश कुमार पर भाजपा प्रवक्ता की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह एसआईआर और मतदाता सूची में अनियमितताओं से जुड़े मुद्दों पर उनके सवालों का जवाब देने में विफल रहे।

पात्रा ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने गांधी समेत विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों का बिंदुवार खंडन किया, लेकिन वे जानबूझकर गड़बड़ी का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, वे (विपक्षी नेता) चाहते हैं कि भारत में अराजक स्थिति पैदा हो और राजनीतिक लाभ उठाएं। यही उनकी कोशिश है।

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय में एसआईआर मुद्दे पर सुनवाई लंबित है और उसने इस प्रक्रिया को नहीं रोका है। पात्रा ने पूछा कि क्या विपक्षी नेताओं की पीठ शीर्ष अदालत से ज़्यादा अधिकार संपन्न है।

सैन्य प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांगता कैडेट के लिए बाधक नहीं बने, उन्हें बीमा कवर दें : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह चाहता है कि देश के रक्षा बलों में ऐसे बहादुर कैडेट शामिल हों, जिनकी सैन्य प्रशिक्षण के दौरान चोट या दिव्यांगता उनके लिए किसी भी प्रकार की बाधा नहीं बने। इसके साथ ही न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह ऐसी आपात स्थितियों के लिए उन्हें बीमा कवर प्रदान करने की संभावना तलाशे।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान दिव्यांग होने के कारण चिकित्सा आधार पर सैन्य संस्थानों से बाहर कर दिए गए कैडेट की परेशानी पर स्वत: संज्ञान लेते हुए सोमवार को इस मामले में केंद्र और रक्षा बलों से जवाब मांगा। पीठ ने कहा,

हम चाहते हैं कि ये बहादुर कैडेट सेना में शामिल हों। हम नहीं चाहते कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले इन कैडेट के लिए चोट या दिव्यांगता किसी भी प्रकार की बाधा बने। शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र को विभिन्न सैन्य संस्थानों में कठोर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कैडेट को मृत्यु या विकलांगता की किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए समूह बीमा जैसा बीमा कवर देने की संभावना तलाशनी चाहिए। पीठ ने कहा, अगर आप उन्हें बीमा कवर देते हैं, तो सरकार पर नहीं बल्कि बीमाकर्ता पर वित्तीय बोझ पड़ेगा। हर प्रशिक्षु कैडेट का बीमा होना चाहिए क्योंकि जोखिम बहुत ज्यादा है। बहादुर लोगों को सेना में आना चाहिए। अगर उन्हें बेसहारा छोड़ दिया गया, तो वे निराश हो जाएंगे। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से भी कहा कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग हुए कैडेट की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा 40,000 रुपए की एकमुश्त अनुग्रह राशि को बढ़ाने के निर्देश मांगें। शीर्ष अदालत को बताया गया कि सैन्य प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग होने वाले सैनिकों को ''पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना'' (ईसीएचएस) कवर प्रदान करने से संबंधित एक फाइल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत की गई है, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया है। पीठ ने केंद्र से दिव्यांग उम्मीदवारों को उपचार के बाद 'डेस्क जॉब' या रक्षा सेवाओं से संबंधित किसी अन्य कार्य में वापस लेने की योजना पर भी विचार करने को कहा। पीठ ने भाटी से कहा, इस मामले को विरोध के रूप में नहीं समझें। कोई ऐसी योजना हो सकती है जिसके तहत उनकी दिव्यांगता या चोट के इलाज के बाद उन्हें प्रशिक्षित किया जा सके। ये चोटें या दिव्यांगताएं आकस्मिक हैं। आप उनका पुनर्मूल्यांकन करके और उन्हें रक्षा बलों में किसी अन्य कार्य के लिए प्रशिक्षित कर उन्हें वापस सेना में ला सकते हैं।

पलानीस्वामी और अन्नामलाई ने राधाकृष्णन को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किये जाने पर बधाई दी। तमिलनाडु से भाजपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पृष्ठभूमि से जुड़े राधाकृष्णन को रविवार को राजग ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया।

तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी ने कहा कि राधाकृष्णन, जिन्हें प्यार से सीपीआर कहा जाता है, को उनकी सार्वजनिक सेवा और जनता के प्रति समर्पण के लिए पुरस्कृत किया गया है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा को राजग के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु से एक व्यक्ति का चयन करने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।'' अन्नामलाई ने 'एक्स' पर लिखा, ''तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष और सांसद के रूप में अपनी विशिष्ट यात्रा में, सीपी राधाकृष्णन ने जनता की सराहनीय सेवा की है। झारखंड और महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल जनसेवा के प्रति समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्धता से चिह्नित रहा है।''

उन्होंने कहा, ''भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में, वह राज्यसभा का कुशलतापूर्वक मार्गदर्शन करेंगे और हमारे राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं थिरु सीपी राधाकृष्णनन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।''

मतदाता की पहचान के प्रमाण के रूप में आधार को मान्य घोषित करने से क्यों बच रहा है आयोग : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने निर्वाचन नियमावली 1960 का हवाला देते हुए और बिहार में बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की आशंका जाहिर करते हुए सोमवार को सवाल किया कि निर्वाचन आयोग अन्य राज्यों में भी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों पर गौर करेगा। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा 17 अगस्त को किये गए संवाददाता सम्मेलन ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देने के बजाय और सवाल खड़े कर दिये हैं।

उन्होंने सवाल किया, ''मतदाता की पहचान साबित करने के लिए आधार को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल करने से चुनाव आयोग को क्या रोक रहा है? अगर निर्वाचन आयोग का वास्तविक लक्ष्य निष्पक्ष चुनाव है तो क्यों नहीं प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और मतदाताओं के अनुकूल होनी चाहिए?'' स्टालिन ने सवाल किया, ''इतनी बड़ी संख्या में योग्य मतदाताओं के नाम कैसे कट गए जब घर-घर जाकर गणना की गई है? नए मतदाताओं का पंजीकरण असमान्य रूप से कम है। इन युवाओं की गिनती कब की गई? क्या कोई आंकड़ा संकलित किया गया है जिससे पता चले कि योग्यता तिथि पर 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले कितने युवाओं को इसमें शामिल किया गया?''

द्रमुक अध्यक्ष ने कहा, ''निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के तहत जांच और दो अपील की प्रक्रिया और उनकी समय-सीमा के कारण बिहार में आगामी चुनावों में बड़ी संख्या में मतदाता चुनाव से बाहर हो सकते हैं। क्या निर्वाचन आयोग इस मुद्दे पर विचार करेगा? क्या निर्वाचन आयोग अन्य राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान इन व्यावहारिक कठिनाइयों पर संज्ञान लेगा?''

उन्होंने कहा, 17 जुलाई 2025 को हमने भारत निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया कि वह एक मई 2025 की अधिसूचना में उल्लिखित प्रक्रिया अपनाते हुए मृतक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दे। यह कब किया जाएगा?'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 17 अगस्त को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूचियों में सभी कमियों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि ''यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल इसके बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं और निर्वाचन आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं।''

भाजपा ने तमिलनाडु चुनाव में लाभ के लिए राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित किया : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता टी.के.एस. इलांगोवन ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने चुनावी फायदे को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित किया है, क्योंकि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव एक साल से भी कम समय में होने वाला है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य लोगों को धोखा देना है क्योंकि राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार नामित करने से तमिलनाडु को ''कोई फायदा'' नहीं होगा। द्रमुक नेता ने स्पष्ट संकेत दिया कि उनकी पार्टी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन भाजपा के कार्यकर्ता हैं और पार्टी द्वारा दूसरे शीर्ष संवैधानिक पद के लिए उनका नामांकन उनकी पदोन्नति है तथा इससे तमिलनाडु का कोई भला नहीं होने वाला है। राज्यसभा के पूर्व सदस्य इलांगोवन ने सवाल किया कि द्रमुक को राधाकृष्णन के नामांकन का समर्थन क्यों करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले में विपक्षी 'गठबंधन इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के फैसले का पालन करेगी, जिसमें द्रमुक एक प्रमुख सहयोगी है।

उन्होंने कहा, ''राधाकृष्णन का नामांकन उनके लिए एक पदोन्नति है, लेकिन तमिलनाडु के लिए इससे कोई भला नहीं होने वाला है।'' द्रमुक की सहयोगी एमडीएमके के महासचिव वाइको ने कहा कि वह पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सीपी राधाकृष्णन को अपनी पार्टी की ओर से शुभकामनाएं देते हैं, क्योंकि महाराष्ट्र के राज्यपाल एक तमिल और सुसंस्कृत व्यक्ति हैं, जो सभी राजनीतिक दलों का सम्मान करते हैं। इलांगोवन ने कहा कि राधाकृष्णन को उम्मीदवार ऐसे समय में बनाया गया है जब राज्य में मार्च-अप्रैल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा ने तमिलनाडु के लोगों की खातिर राधाकृष्णन को उम्मीदवार नहीं बनाया है, बल्कि वे चुनाव में अपने फायदे को ध्यान में रखकर ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, जो मार्च-अप्रैल 2026 तक होने हैं। वे लोगों के बीच जाकर यह दावा करके तमिलनाडु के लोगों को धोखा देना चाहते हैं कि हमने एक तमिल को उपराष्ट्रपति बनाया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार हर तरह से तमिलनाडु का अपमान कर रही है। द्रमुक नेता ने पूछा, ''उन्होंने तमिलनाडु राज्य और इसकी संस्कृति के लिए क्या किया है?'' द्रमुक नेता ने सवाल किया, ''भाजपा नीत केंद्र सरकार ने तमिलनाडु राज्य और उसकी संस्कृति के लिए क्या किया है? कीलाडी की खोजों का क्या हुआ, और एएसआई के पुरातत्वविद् अमरनाथ रामकृष्णन का तबादला क्यों किया गया, जब उन्होंने कहा था कि कीलाडी भारत की सबसे प्राचीन सभ्यता है?''

इलांगोवन ने पूछा, ''वे तमिल सभ्यता को सबसे प्राचीन सभ्यता क्यों नहीं मानना चाहते? क्या यह तमिलों का अपमान नहीं है?'' उन्होंने आरोप लगाया वे ऐसा दावा करते हैं मानो उन्होंने तमिलनाडु के लिए कुछ बहुत बड़ा काम किया हो। अगर आप उनसे कहें कि पहले कीलाडी की खोजों को मान्यता दें, तो क्या वे ऐसा करेंगे? वे ऐसा करने से क्यों इनकार कर रहे हैं? वे खुद तमिलनाडु और तमिलों का अपमान कर रहे हैं और लोग यह बात समझ चुके हैं तथा इसीलिए उन्होंने कभी भी भाजपा को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा कि भाजपा नेतृत्व ने एक तमिल को नामित किया है ताकि यह दावा किया जा सके कि उसने तमिलों के लिए अच्छा काम किया है।

इलांगोवन ने कहा, ''इसके अलावा, (नए उपराष्ट्रपति का) कार्यकाल भी केवल लगभग दो वर्ष का होगा, जो जगदीप धनखड़ के कार्यकाल की शेष अवधि है।'' आधिकारिक नियमों के अनुसार, निर्वाचित होने पर उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पूरा होगा। संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार, उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष का होगा। इलांगोवन ने कहा कि भाजपा में कई तमिल हैं जिन्हें भाजपा नेतृत्व द्वारा नजरअंदाज किया जाता है। इलांगोवन ने आरोप दोहराया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु को शिक्षा के क्षेत्र में भी आवश्यक धन उपलब्ध नहीं करा रही है।

इलांगोवन ने आरोप लगाया कि जब भी भाजपा के नेता राज्य का दौरा करते हैं तो वे तमिलनाडु की प्रशंसा करते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा सरकार राज्य का अपमान कर रही है और यहां के लोगों का भला नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि हर तमिलवासी यह बात जानता है कि भाजपा तमिलनाडु के विकास के प्रति गंभीर नहीं है और वे राज्य का विकास नहीं चाहते। इस बीच अन्नाद्रमुक महासचिव ए. के पलानीस्वामी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु के सभी सांसदों को राधाकृष्णन की उम्मीदवारी का समर्थन करना चाहिए। मदुरै में पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने राधाकृष्णन को एक मिलनसार नेता बताया और कहा, ''मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर उपराष्ट्रपति के पद पर राधाकृष्णन के नामांकन का स्वागत करता हूं।''

पिता ने अपनी बेटी को अपनी आंखों के सामने दुर्घटना में दम तोड़ते देखा

पलक्कड़। उत्तर केरल के पलक्कड़ जिले के कोझिंजमपारा में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात वर्षीय बच्ची की उसके पिता के सामने मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्कूटर से गिरने के बाद बच्ची को पीछे से आ रही बस ने कुचल दिया। मृतका की पहचान कोझिंजमपारा स्थित सेंट पॉल्स स्कूल की दूसरी कक्षा की छात्रा नफीसत मिसरिया के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, नफीसत और उसके पिता पलक्कड़-पोल्लाची रोड पर स्कूल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे एक ऑटो रिक्शे ने गड्ढे की वजह से अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे स्कूटर का संतुलन बिगड़ गया और पिता-पुत्री दोनों सड़क पर गिर पड़े। नफीसत दाहिनी ओर गिरी और पीछे से आ रही बस की चपेट में आ गई। लोग बच्ची को अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं बच्ची के पिता को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों ने खराब सड़कों और लगातार हो रहे हादसों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने कहा कि मामले में जांच शुरू कर दी गई है और प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। शव को सरकारी अस्पताल भेजा गया है। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बच्ची की मौत पर शोक जताया। उन्होंने फेसबुक पर नफीसत की तस्वीर और संदेश साझा करते हुए लिखा 'इस मासूम बच्ची का अचानक चला जाना असहनीय पीड़ा है।' पोस्ट में उन्होंने लिखा, मुझे कोझिंजमपारा में बस की टक्कर से दूसरी कक्षा की छात्रा नफीसत मिसरिया की मौत की खबर मिली।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने सिल्वर जुबली परिसर के सामाजिक विज्ञान संकाय के मानव विज्ञान विभाग में एक विशेष कार्यक्रम के साथ विश्व के मूल निवासियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया। समावेशी शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के विश्वविद्यालय के मिशन के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. पी. प्रकाश बाबू ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मानव विज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. वैलेरी डखर के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई। उन्होंने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला और 90 से ज़्यादा देशों में रहने वाले और 7,000 से ज़्यादा भाषाएँ बोलने वाले 47.6 करोड़ मूल निवासियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संकाय के डीन प्रो. जी. चंद्रिका ने विभाग की जीवंतता, शिक्षकों की एकता और अकादमिक उत्कृष्टता की सराहना की, साथ ही पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान को भारतीय ज्ञान प्रणाली में समाहित करने के महत्व पर ज़ोर दिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, कुलपति ने तेलंगाना और ओडिशा में जनजातीय समुदायों के साथ अपने संपर्कों का हवाला देते हुए, स्वदेशी विरासत, लुप्तप्राय भाषाओं, औषधीय पौधों की प्रथाओं और प्रकृति के साथ उनके सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की पारदर्शिता और गहन समझ की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य भाषण मद्रास विश्वविद्यालय में प्रख्यात मानवविज्ञानी और सहायक प्रोफेसर प्रो. एस. सुमति ने रूढ़िवादिता से परे: स्वदेशी जनजातियों के बारे में हमारी धारणा का पुनर्निर्धारण विषय पर दिया। उन्होंने जनजाति, जाति, हाशिए पर होने, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और समकालीन चुनौतियों के प्रति मानवशास्त्रीय अंतर्दृष्टि के अनुप्रयोग की अवधारणा का परीक्षण किया। दोपहर के सत्र में प्रो. एस. सुमति ने विकल्पों के सृजन की संभावना: शांति के लिए मानवशास्त्र विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसमें स्मृति पर सांस्कृतिक प्रभावों, शोध में वस्तुनिष्ठता व शांति एवं समावेशिता को बढ़ावा देने में मानवशास्त्र की भूमिका पर चर्चा की गई।

नेताजी के बारे में त्रुटि के लिए दोषी पैनल सदस्य के शैक्षणिक कार्य करने पर रोक लगेगी : शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने सोमवार को कहा कि शिक्षक पुस्तिका के मसौदे में स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में तथ्यात्मक त्रुटि के लिए जिम्मेदार पैनल सदस्य पर भविष्य में शैक्षणिक कार्य करने पर रोक लगाई जाएगी। शिवनकुट्टी ने फेसबुक पर एक पोस्ट' के जरिए स्वीकार किया कि चौथी कक्षा के पर्यावरण अध्ययन शिक्षकों की संशोधित पुस्तिका के मसौदे में नेताजी के बारे में एक ऐतिहासिक ''अशुद्धि'' थी। उन्होंने कहा कि इस त्रुटि के लिए केरल राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) का एक सदस्य जिम्मेदार है।

शिवनकुट्टी ने कहा कि मामला संज्ञान में आने के बाद एससीईआरटी को निर्देश दिया गया कि वह इस त्रुटि को सुधारे और सटीक ऐतिहासिक विवरणों के साथ पुस्तिका को पुनः प्रकाशित करे। उन्होंने बताया कि संशोधित संस्करण आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। शिवनकुट्टी ने कहा, ''राज्य सरकार का रवैया केंद्र सरकार जैसा नहीं है, जो राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। इस पाठ्यक्रम संशोधन के दौरान हमने बच्चों के सामने संवैधानिक लक्ष्यों को यथार्थपरक रूप से स्थापित करने वाले ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत करने की नीति का पालन किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।''

मंत्री ने कहा कि एससीईआरटी को निर्देश दिया गया है कि इस गलती के लिए जिम्मेदार पैनल सदस्य को भविष्य की शैक्षणिक गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया जाए। उनका यह स्पष्टीकरण मीडिया में प्रकाशित इन खबरों के बीच आया है कि चौथी कक्षा के शिक्षकों की पुस्तिका में यह गलत लिखा गया है कि नेताजी अंग्रेजों के ''डर से'' जर्मनी भाग गए थे।

सिद्दरामय्या पर 28 लोगों की हत्या का आरोप लगाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अधिकारियों को उस व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जिसने 28 लोगों की हत्या में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की संलिप्तता होने का आरोप लगाया था। विपक्षी भाजपा ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया और आरोप लगाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सरकार की निष्क्रियता को लेकर सवाल किया। हालांकि, गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार या वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने किसी नाम का उल्लेख नहीं किया, लेकिन आधिकारिक सूत्रों और सदन में कुछ भाजपा विधायकों ने उक्त व्यक्ति की पहचान महेश शेट्टी थिमारोडी के रूप में की।

थिमारोडी ने उजीरे की रहने वाली प्री-यूनिवर्सिटी की द्वितीय वर्ष की छात्रा के लिए न्याय की लड़ाई का नेतृत्व किया था। छात्रा के साथ 2012 में दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल नगर में बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी। थिमारोडी उन लोगों में प्रमुख रूप से शामिल है, जिन्होंने पिछले दो दशकों में उस स्थान पर सामूहिक हत्या, बलात्कार और शवों को सामूहिक रूप से दफन किये जाने के दावों के बाद न्याय और जांच की मांग की। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल धर्मस्थल में सामूहिक हत्या, बलात्कार और सामूहिक रूप से शवों को दफन किये जाने के दावों की जांच कर रहा है।

अन्ना विश्वविद्यालय में मोबाइल पासपोर्ट सेवा शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, गिंडी परिसर के छात्रों के लाभार्थ दो दिवसीय मोबाइल पासपोर्ट सेवा शिविर का आयोजन कर रहा है। इस पासपोर्ट सेवा शिविर का उद्घाटन 18 अगस्त को श्री एस. गोवेंधन, निदेशक, पासपोर्ट सेवा परियोजना, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा किया गया। चेन्नई के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी एस. विजयकुमार भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उद्घाटन समारोह में भाग लिया। 18 और 19 अगस्त को आयोजित होने वाले इस शिविर का उद्देश्य छात्रों को परेशानी मुक्त पासपोर्ट सेवाएँ प्रदान करना और परिसर में ही आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

मलयालम फिल्म निर्देशक निसार का 65 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम। मलयालम फिल्म निर्देशक निसार का सोमवार को चंगनाशेरी में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। चंगनाशेरी के समीप त्रिकोडिथानम में जन्मे निसार ने वर्ष 1994 में फिल्म 'सुदिनम' से निर्देशन की शुरुआत की थी।

इसके बाद दो दशक में उन्होंने मलयालम और तमिल में 27 फिल्में निर्देशित कीं। उनकी अंतिम फिल्म

लाफिंग अपार्टमेंट नियर गिरिनगर' वर्ष 2018 में रिलीज हुई थी।

फिल्म निर्देशक संघ 'एफईएफकेए' ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि निसार अपनी तेज गति से फिल्म पूरी करने की क्षमता और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के लिए जाने जाते थे। संघ ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, ''उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण और तकनीकी कौशल कई युवा फिल्मकारों के लिए सीख बन गया।'' निसार को व्यस्त कलाकारों जैसे जगती श्रीकुमार के जटिल दृश्यों की शूटिंग केवल एक-दो दिन में पूरी करने के लिए भी सराहा गया।

उनकी एक ही शॉट में फिल्माई गई फिल्म 'टू डेज' कई फिल्म समारोहों में प्रदर्शित हुई और उसने पुरस्कार भी जीते। परिवार के अनुसार, उन्हें स्थानीय मस्जिद में दफनाया जाएगा।

बधाई — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में सोमवार को गदग जिले के मुंदरागी तालुक के मुरुडी टांडा निवासी युवा रमेश बुदिहाल को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। रमेश ने हाल ही में आयोजित एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले भारत के पहले सर्फर बने। मुख्यमंत्री ने सर्फर रमेश बुदिहाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने राज्य का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा किया है।

हृदयाघात से बचाव के लिए घबराहट नहीं, बल्कि जीवनशैली में बदलाव ज़रूरी: मंत्री शरणप्रकाश पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिकित्सा शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल ने कर्नाटक में हृदयाघात की बढ़ती घटनाओं को लेकर नागरिकों को अनावश्यक रूप से घबराने से बचने का आश्वासन दिया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नियमित व्यायाम, प्राणायाम, स्वस्थ आहार, समय पर नींद और तनाव प्रबंधन जैसे जीवनशैली में बदलाव ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकते हैं।

विधान परिषद में कांग्रेस सदस्य दिनेश गुलीगौड़ा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, डॉ. पाटिल ने कहा कि हालाँकि चिंताएँ बढ़ रही हैं, लेकिन आँकड़े पिछले वर्षों की तुलना में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं दिखाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, औसतन, 5-6 प्रतिशत मामले हृदय संबंधी होते हैं, और इस वर्ष भी यही रुझान बना हुआ है। छिटपुट घटनाओं से लोगों में भय पैदा नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि गतिहीन जीवनशैली, तनाव, मोटापा, शराब का सेवन,

धूम्रपान, नशीली दवाओं का सेवन और पारिवारिक इतिहास जैसे कारण हृदय रोग के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कोविड के बाद के प्रभावों को दिल के दौरे के मामलों से जोड़ने वाली अफवाहों को खारिज करते हुए कहा, इस तरह के किसी संबंध का कोई सबूत नहीं है।

जयदेवा हृदय रोग विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. के.एस. रवींद्र के नेतृत्व वाली एक समिति और स्वास्थ्य विभाग के एक कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में पहले ही पुष्टि कर दी है कि जनता की आशंकाएँ निराधार हैं।

कर्नाटक भर में सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल : डॉ. पाटिल ने घोषणा की कि सरकार ने सभी जिला सरकारी अस्पतालों में सुपर-स्पेशलिटी अस्पतालों की स्थापना अनिवार्य कर दी है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इन सुविधाओं की अनिवार्य स्थापना के निर्देश दिए हैं और कई जिलों में इनका संचालन शुरू हो चुका है। इसके साथ ही ट्रॉमा सेंटर भी शुरू किए जाएँगे। बेंगलूरु, मैसूरु, कलबुर्गी और हुब्बल्ली के जयदेव संस्थानों में सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल पहले से ही कार्यरत हैं। बागलकोट, यादगीर और रायचूर में नई सुविधाएँ जल्द ही शुरू होंगी, जबकि बीदर, कोप्पल और बेलगावी इकाइयों का उद्घाटन अगले तीन महीनों के भीतर होने की उम्मीद है।

कृष्णा सर्किट के अंतर्गत बने म्यूजियम ऑफ ग्रेस का दीया कुमारी ने किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा 23 करोड़ 42 लाख रूपए की लागत से कृष्णा सर्किट के अंतर्गत निर्मित म्यूजियम ऑफ ग्रेस का रविवार को अवलोकन किया। इस म्यूजियम ऑफ ग्रेस में पुष्टिमार्गीय वल्लभ संप्रदाय के इतिहास और महात्म्य आदि को विस्तृत रूप से भव्य चित्रों, श्रव्य एवं दृश्य माध्यमों से प्रस्तुत किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने इस म्यूजियम की प्रशंसा की तथा कहा कि इस का अधिकाधिक प्रचार प्रसार करें ताकि आमजन यहां आकर गौरवशाली इतिहास को समझ सकें। अवलोकन के दौरान एक प्रस्तुति के माध्यम से बताया गया कि पुष्टिमार्ग की विरासत को प्रदर्शित करते हुए आगंतुकों को एक अनुभवात्मक और गहन यात्रा पर ले जाना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। हम उन श्रद्धालुओं के भक्ति अनुभव को और समृद्ध करना चाहते हैं जो नाथद्वारा आकर आध्यात्मिक पवित्रता और भगवान श्रीकृष्ण के कृपालु हाथों की तलाश करते हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संग्रहालय के हॉल सावधानीपूर्वक तैयार किए गए स्थिर और डिजिटल प्रतिष्ठानों के माध्यम से आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इन प्रतिष्ठानों में पुष्टिमार्ग की कथा को उसकी स्थापना से लेकर वल्लभ-कुल, सेवा और उत्सवों तक क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ये प्रतिष्ठान श्रीनाथजी की सेवा की विशद उदारता को मूर्त रूप देते हैं और दर्शकों को श्री वल्लभाचार्य की पुष्टिमार्गीय शिक्षाओं से मिलने वाले परमानंद और उल्लास में लीन करते हैं। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हमारा लक्ष्य विशेष रूप से युवा पीढ़ी तक पहुँचना, उनकी संवेदनशीलता को आकर्षित करना और आध्यात्मिक दर्शन में अर्थ की उनकी खोज का उत्तर देने का प्रयास करना है।

उल्लेखनीय है कि पुष्टिमार्ग मध्यकाल में वैष्णव धर्म के पाँच महान संप्रदायों में से एक के रूप में उभरा। इस आंदोलन की स्थापना श्री वल्लभाचार्य ने की और आज बड़ी संख्या में अनुयायी इस परंपरा का पालन करते हैं। इस संप्रदाय का दार्शनिक आधार शुद्धाद्वैत दर्शन या शुद्ध अद्वैतवादहै, जो इसे वैष्णव परंपरा में विशिष्ट बनाता है। पुष्टिमार्ग परंपरा कृष्ण को सर्वस्व और सर्वस्व को कृष्ण के रूप में स्वीकार करती है। इस दौरान नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़, श्री जगदीश पालीवाल, समाजसेवी माधव जाट आदि मौजूद रहे।

चारभुजा नाथ मंदिर में दर्शन किए

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को राजसमंद स्थित सुप्रसिद्ध श्रीचारभुजा नाथ मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के लिए खुशहाली की कामना की। श्रीमती दीया कुमारी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए भगवान से प्रार्थना की। मंदिर में दर्शन के बाद उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा आज भगवान श्री चारभुजा नाथ जी के मंदिर में दर्शन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि भगवान चारभुजा नाथ का आशीर्वाद हम सब पर हमेशा बना रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को कुंभलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भोपजी की भागल गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। श्रीमती दियाकुमारी ने इस दौरान बच्चों को दी जा रही सुविधाओं, पोषण, स्वच्छता, शिक्षण गतिविधियों और केंद्र के बुनियादी ढांचे की स्थिति का जायजा लिया। इनिरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ संवाद किया और उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे भोजन, शैक्षणिक सामग्री और खेल-कूद की सुविधाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ कुछ पल बिताए और उनसे कविताएं सुनी और बात की। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक अपनी कविताएं सुनाईं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि बच्चों को पोषण युक्त भोजन दिया जा रहा है और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने केंद्र के कामकाज की सराहना की और कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्रीमती दीया कुमारी ने बच्चों के समग्र विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए और जोर देकर कहा कि हर बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा और पोषण युक्त वातावरण मिलना चाहिए क्योंकि यही उनके उज्ज्वल और सशक्त भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा स्पष्ट है कि कोई भी बच्चा सुविधाओं से वंचित न रहे। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करना है कि वे इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि बच्चों को शुरुआती वर्षों में ही ऐसा वातावरण मिले, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास सर्वोत्तम हो सके।

बूंदी जिले में दो ट्रकों के टकराने से तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा से लालसोट मेगा हाईवे पर बूंदी जिले के लाखेरी थाना क्षेत्र में दो ट्रकों के आपस में टकराने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार क्षेत्र के देव नगर में रविवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे हुए इस हादसे में प्याज से भरा कोटा से सवाईमाधोपुर की तरफ जा रहा ट्रक और उसके सामने से आ रहा एक अन्य ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में चार लोग घायल हो गए जिनमें गंभीर रुप से घायल दो लोगों की लाखेरी में ही मृत्यु हो गई जबकि एक व्यक्ति को कोटा रेफर किया गया जहां उसने भी दम तोड़ दिया।

हादसे के मृतकों में सवाईमाधोपुर के ट्रक चालक कैलाश गुर्जर (42) और खलासी राजेश गुर्जर (36) झालावाड़ निवासी राकेश (32) शामिल है जबकि घायल शोभाराम मेघवाल (32) अस्तपाल में भर्ती है जबकि एक अन्य घायल का प्राथमिक उपचार कर दिया गया।

स्कूलों में बच्चों को आरटीई के तहत दाखिला नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बच्चों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत स्कूलों में दाखिला नहीं मिलने पर चिंता जताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। गहलोत ने शिक्षा विभाग व राज्य सरकार से इस ओर ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, आज मेरे पास कई अभिभावक आए जिन्होंने राइट टू एजुकेशन (आरटीई) को लेकर अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि आरटीई की लॉटरी में चयनित होने के बावजूद उनके बच्चों को सत्र शुरू होने के बाद भी स्कूलों में दाखिला नहीं मिल रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं अन्यायपूर्ण है क्योंकि शिक्षा बच्चों का मूलभूत अधिकार है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार ने आरटीई कानून बनाया था ताकि गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को भी निजी स्कूलों में पढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार ने इसे लागू कर हजारों बच्चों का भविष्य संवारा लेकिन आज की मौजूदा सरकार की लापरवाही के कारण वही बच्चे दर-दर भटक रहे हैं।

गहलोत ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा, मैं पूछना चाहता हूं कि अगर चयनित बच्चों को भी स्कूल में दाखिला नहीं मिलेगा तो फिर इस लॉटरी का क्या मतलब है? शिक्षा विभाग और सरकार की जिम्मेदारी है कि हर हाल में इन बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाएं।

सरकारी अस्पताल में 'प्रशिक्षु' छात्रा के बुर्का पहनने पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु (इंटर्न) छात्रा के बुर्का पहनने पर वहां तैनात महिला चिकित्सक से उसकी बहस हो गई। इस बहस का कथित वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ और इंटर्न छात्रा के बीच ड्यूटी के दौरान बुर्का हटाने को लेकर बहस होती दिखाई दे रही है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने सोमवार को जिलाधिकारी कल्पना अग्रवाल को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें कथित तौर पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। भाजपा ने 'इंटर्नशिप' कर रही छात्रा पर मामले को गलत तरीके से पेश करके सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया

है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बिंदु गुप्ता ने कहा कि 'इंटर्न' को चिकित्सकीय कारणों से ड्यूटी के दौरान अपने चेहरे से नकाब हटाने के लिए कहा गया था।

उन्होंने कहा, अस्पताल में एक ड्रेस कोड है जो सभी पर लागू होता है। इंटर्न ने इसका पालन करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय वीडियो रिकॉर्ड करके प्रसारित कर दिया, जिससे अनावश्यक विवाद पैदा हो गया।

डॉ. गुप्ता ने कहा, मैंने कोई सांप्रदायिक टिप्पणी नहीं की। मैंने जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इंटर्न से इलाज के दौरान अपना चेहरा दिखाने को कहा था। अगर कोई चिकित्सीय दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी चिकित्सकों की होती है, इंटर्न की नहीं। टोंक के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हनुमान प्रसाद बैरवा ने कहा कि बुर्का हटाने का कोई निर्देश नहीं दिया गया था और अस्पताल के ड्रेस कोड के अनुसार केवल चेहरा ढकने वाला कपड़ा हटाने का अनुरोध किया गया था।

उन्होंने कहा कि इस मामले में न तो चिकित्सक और न ही 'इंटर्न' ने अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा, हालांकि, कांग्रेस के कुछ नेताओं ने कल शिकायत दर्ज कराई थी। हम मामले की जांच कर रहे हैं। महिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. विनोद परवेरिया ने कहा कि किसी को भी बुर्का हटाने के लिए नहीं कहा गया था। डॉ. परवेरिया ने कहा, केवल चिकित्सीय कार्यों के लिए चेहरे से पर्दा हटाया जाना चाहिए जो मानक प्रक्रिया है।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का दावा, 'खींवसर उप चुनाव में हुई धांधली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कथित तौर पर वोट चोरी का आरोप लगाया, जिसके बाद से राजनीतिक बयानबाजी तेज है। इस बीच राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) सुप्रीमो और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान के खींवसर उपचुनाव में धांधली की आशंका जताई।

आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने खींवसर उपचुनाव में हुई वोट चोरी को लेकर सवाल उठाए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, यहां पर हमारा वोट मत ज्यादा है, लेकिन इसके

बावजूद हमें कम वोट मिले। यह सोचने वाली बात है कि वोट चोरी बहुत बड़ा मुद्दा है और अघोषित इमरजेंसी पूरे देश में चल रही है। चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता देखकर लगता है कि चुनाव आयोग दबाव में है। जाटों के इतिहास को लेकर हनुमान बेनीवाल ने कहा, महाराजा सूरजमल ने 80 लड़ाई की और सभी की सभी में जीत दर्ज की। महाराजा सूरजमल लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए, लेकिन उनके इतिहास को सही तरीके से नहीं लिखा गया। यह इतिहास लिखने वाले कौन हैं? क्यों गलत लिख रहे हैं इसकी जांच होनी चाहिए। किसी भी समाज का इतिहास गलत नहीं लिखा जाना चाहिए।

उन्होंने जोजरी नदी को बचाने की बात करते हुए कहा, जोजरी नदी को बचाना बहुत आवश्यक है। बड़े-बड़े मंत्रियों ने डीपीआर बनाने के दावे किए लेकिन एक भी पैसा सेक्शन नहीं हुआ है। हम इस मुद्दे को लोकसभा के अंदर भी उठाएंगे। इस तरह से चलेगा तो सीएम भजनलाल का कनेक्शन जल्द कट हो जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा के जोधपुर आने से पहले और जाने के बाद फायरिंग की घटनाओं पर हनुमान बेनीवाल ने प्रदेश की लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह घटना प्रदेश की लॉ एंड ऑर्डर पर सवालिया निशान खड़ा करती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदेश में नहीं चल रही है। यहां पर अफसरशाही अभी है। जोधपुर में जो अफसर लगाए गए हैं वह सही नहीं हैं।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में वार्षिक उत्सव 20 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में प्रतिष्ठित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में वार्षिक गणेश चतुर्थी उत्सव 20 अगस्त से शुरू होगा। मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने सोमवार को बताया कि वार्षिक गणेश चतुर्थी उत्सव 20 अगस्त से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगा। भगवान गणेश का मुख्य जन्मोत्सव 27 अगस्त को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्सव की शुरुआत 20 अगस्त को पारंपरिक मोदक झांकी के साथ होगी। झांकी का मुख्य आकर्षण 251 किलोग्राम के दो भव्य मोदक (लड्डू) होंगे। इसके अलावा भी प्रसाद में 51 किलोग्राम वजन के पांच मोदक, 21 किलोग्राम वजन के 21 मोदक और 1.25 किलोग्राम के 1,100 से ज़्यादा छोटे मोदक

शामिल होंगे।

महंत ने बताया कि ये मोदक लगभग 2,500 किलोग्राम शुद्ध घी, 3,000 किलोग्राम बेसन, 9,000 किलोग्राम चीनी और 100 किलोग्राम सूखे मेवों से तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भक्तों को सुबह पांच बजे से दर्शन की अनुमति होगी। तय कार्यक्रम के अनुसार 22 से 25 अगस्त तक मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जबकि 26 अगस्त को मेहंदी पूजन की रस्म होगी जिसमें परंपरा के अनुसार, पाली के सोजत से मंगवाई गई 3,100 किलोग्राम मेहंदी भगवान गणेश की मूर्ति पर संकेतात्मक रूप से लगाई जाएगी।

महंत के मुताबिक गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर विशेष श्रृंगार कर भगवान गणेश को चांदी के सिंहासन पर विराजमान किया जाएगा और उन्हें सोने के मुकुट और विशेष रूप से तैयार किए गए नौलखा हार से सजाया जाएगा। समारोह का समापन 28 अगस्त को एक भव्य शोभा यात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा शाम चार बजे मोती डूंगरी मंदिर से शुरू होगी और एमडी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार और नाहरगढ़ रोड से होते हुए ऐतिहासिक गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेगी।

पत्नी और बेटे पर तलवार से हमला करने के बाद ट्रेन के आगे कूदा कांस्टेबल

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में राजस्थान सशस्त्र बल (आरएसी) के एक कांस्टेबल ने अपनी पत्नी और छह साल के बेटे पर तलवार से हमला करने के बाद खुद कथित तौर पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार तड़के कोतवाली थाना क्षेत्र की किसान कॉलोनी में हुई। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल की पहचान राजकुमार कांटीवाल के रूप में हुई है। उसने किसान कॉलोनी स्थित किराए के घर में अपनी पत्नी कविता और बेटे पर हमला किया। हमले में कविता को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी दो उंगलियां कट गईं तथा उसे इलाज के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। जबकि हमले में दंपति के बेटे की गर्दन पर गहरा घाव हो गया और उसका झुंझुनूं में उपचार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार कविता झुंझुनूं पंचायत समिति में कनिष्ठ लिपिक (एलडीसी) है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि दंपति में कई साल से विवाद था और उनके तलाक के वाद की सुनवाई 20 अगस्त को झुंझुनूं पारिवारिक न्यायालय में होनी थी। राजकुमार 16 अगस्त को छुट्टी लेकर श्रीगंगानगर से लौटा था। पुलिस ने बताया कि हमले के लगभग तीन घंटे बाद राजकुमार का शव रेलवे पटरियों पर मिला, संदेह है कि उसने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया गया है।

एक व्यक्ति का शव घर की छत पर ड्रम में मिला, पत्नी और बच्चे लापता

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना में एक व्यक्ति का शव एक घर की छत पर ड्रम में मिला है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र सिंह निर्वाण ने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के निवासी हंसराम उर्फ सूरज के रूप में हुई है जो अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ किशनगढ़बास की आदर्श कॉलोनी में रहता था।

उन्होंने बताया कि पड़ोसियों द्वारा दुर्गंध आने की शिकायत किये जाने के बाद शव की खोज की गई जो घर की छत पर ड्रम में मिला। निर्वाण के अनुसार सूरज पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया था। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा, शव को जल्दी सड़ने के लिए उस पर नमक डाला गया था। उन्होंने बताया कि सूरज पिछले डेढ़ महीने से छत पर किराये के कमरे में रह रहा था और एक ईंट भट्टे पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि उसकी पत्नी सुनीता, उसके तीन बच्चे और मकान मालिक का बेटा जितेंद्र शनिवार से लापता हैं।

केरल राज्य की टीम द्वारा राजस्थान के चयनित 6 जिलों का किया जा रहा है 'पीयर रिव्यू'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) राजस्थान वासुदेव मालावत ने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति मूल्यांकन हेतु केरल राज्य की टीम द्वारा राजस्थान में पीयर रिव्यू आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यह पीयर रिव्यू सोमवार (18 अगस्त) से 24 अगस्त 2025 तक राजस्थान के चयनित 06 जिलों जयपुर, उदयपुर, अलवर, चूरू, बूंदी एवं झुंझुनूं में शुरू हुआ है।

निदेशक आईसीडीएस ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसम्बर 2024 को जनभागीदारी के माध्यम से कुपोषण के पूर्ण उन्मूलन हेतु शुभारम्भ किये गये सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के तहत केरल राज्य की टीम का आमुखीकरण एवं प्रस्तुतीकरण रविवार को जयपुर स्थित एक निजी होटल में निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) राजस्थान वासुदेव मालावत के समक्ष दिया गया।

निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी सेवाओं में सुधार, कुपोषण की समाप्ति तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से ग्राम स्तर पर पोषण परिणामों में व्यापक सुधार सुनिश्चित करना है। इस उद्देश्य से केरल राज्य से 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के जयपुर आगमन (17 अगस्त 2025) पर रविवार को निदेशालय स्तर पर आमुखीकरण एवं प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वासुदेव मालावत ने बताया कि यह पहल राज्यों के मध्य अनुभव-साझाकरण एवं नवाचारों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,जिससे सुपोषित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति को नई गति मिलेगी।

सीकर में कार के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में हर्ष पर्वत इलाके में एक कार के 250 फुट गहरी खाई में गिरने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में एक युवती घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सोमवार तड़के सीकर के जीण माता थाना इलाके में हुआ। पुलिस ने बताया, कार में तीन लोग सवार थे। हादसे में 22 वर्षीय हर्षित और एक युवती की मौत हो गई। जबकि एक अन्य महिला को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार हर्ष पर्वत इलाके से गुजरते समय कार अनियंत्रित हो गई और 250 फुट गहरी खाई में गिर गई।

छात्रों की भूख हड़ताल को लेकर एएमयू में तनाव, पुलिस ने बढ़ाई चौकसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़/भाषा। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) परिसर में सोमवार को दो छात्रों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के बाद हालात और जटिल हो गए।

चौदह अगस्त को शुरू हुई इस भूख हड़ताल के बाद छात्रों की सेहत बिगड़ने की खबर के बाद पूरे परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। आंदोलनकारी छात्र वार्षिक शुल्क में भारी वृद्धि का विरोध करने के साथ-साथ छात्र संघ चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। एएमयू के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि छात्रों के समूहों ने कई विभागों के गेट बंद कर दिए जिससे कई संकायों में कक्षाओं के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई। महिला कॉलेज में सबसे ज़्यादा असर देखने को मिला। यहां बड़ी संख्या में छात्राओं ने मुख्य द्वार को अवरुद्ध कर दिया, जिससे आवाजाही ठप हो गई।

प्रदर्शनकारियों ने दोपहर तक कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून के आवास की ओर मार्च करने की योजना बनाई। इसके बाद पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी एएमयू परिसर में पहुंच गई। एएमयू प्रॉक्टर मोहम्मद वसीम अली ने संवाददाताओं को बताया, पुलिस को परिसर के अंदर तैनात नहीं किया गया है। उन्होंने केवल आंदोलन फैलने की खबरों के मद्देनजर टोह ली थी। इसके बाद पुलिस बल परिसर से वापस लौट आया। उन्होंने कहा कि सुबह से ही विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वारों पर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का संयुक्त दल तैनात है।

अली ने प्रदर्शनकारी छात्रों से अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की ताकि 'बिना किसी दबाव के शांतिपूर्ण बातचीत' हो सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन 'सार्थक बातचीत' के लिए तैयार है। छात्र संघ चुनावों के बार-बार स्थगित होने के बारे में अली ने कहा, हमने वादा किया है कि चुनाव उचित समय पर घोषित किए जाएंगे।

अनशन कर रहे छात्रों में से एक सैयद कैफ हसन ने बयान जारी कर स्पष्ट किया कि विरोध प्रदर्शन 'पूरी तरह से शांतिपूर्ण' था और कुलपति आवास का घेराव करने की कोई योजना नहीं थी। उन्होंने कहा, हम छात्रों से आग्रह करते हैं कि वे अफवाहों का शिकार न हों। हमारी मांगें पूरी होने तक हमारा धरना शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहेगा।

विपक्ष को राष्ट्रीय गौरव के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा पर लोकसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष के प्रदर्शन की सोमवार को आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गौरव और उपलब्धि से जुड़े इस मुद्दे पर विपक्ष को दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए था।

बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई, जिसके कारण शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े विषय पर चर्चा पूरी नहीं हो सकी।

सिंह ने 'एक्स' पर कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ने सदन में हंगामा किया और सदन को चलने नहीं दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह चर्चा ''भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम और विकसित भारत 2047 में इसकी भूमिका'' विषय पर थी, जो राष्ट्रीय उपलब्धि और देश के सम्मान, स्वाभिमान और भविष्य की वैज्ञानिक और राष्ट्रीय सुरक्षा की संभावनाओं से जुड़ी हुई है।

सिंह ने कहा कि विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चर्चा में भाग लेकर भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की रचनात्मक समीक्षा, आलोचना व सुझाव दे सकता था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष जैसे विषय जो भारत की वैज्ञानिक और सामरिक दृष्टि से 21 वीं सदी के भविष्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, कम से कम उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर रखना चाहिए।

राहुल ने एसआईआरए को 'वोट चोरी' का नया हथियार बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

औरंगाबाद/गयाजी/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को बिहार में अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान निर्वाचन आयोग पर हमला जारी रखा और कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 'वोट चोरी का नया हथियार' है। राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन यह भी कहा कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी को किसी हाल में खत्म नहीं होने दिया जाएगा।

गांधी ने दूसरे दिन की यात्रा औरंगाबाद के कुटुंबा से शुरू की और रफीगंज होते हुए गयाजी जिले पहुंचे। गयाजी शहर में एक सभा के साथ आज देर शाम दूसरे दिन की यात्रा का समापन होगा। कुटुंबा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार का विधानसभा क्षेत्र है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ इस यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी और महागठबंधन के कई अन्य नेता शामिल हैं। यात्रा के दौरान गांधी और तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद स्थित मशहूर देव सूर्य मंदिर के दर्शन किए। गांधी और तेजस्वी यादव से मिलने के लिए जगह-जगह लोग सड़क किनारे कतारबद्ध खड़े थे। राहुल गांधी ने ऐसे कई लोगों से मुलाकात की एक तस्वीर अपने व्हाट्सएप चैनल पर साझा की जिनके नाम एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से कथित तौर पर काट दिए गए, जबकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। कांग्रेस नेता ने कहा, एसआईसीआर वोट चोरी का एक नया हथियार है। इत्तेफाक से इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े लोग इस चोरी के 'जीते-जागते' सबूत हैं।

उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था, मगर बिहार विधानसभा चुनाव आते-आते भारत के लोकतंत्र से इनकी पहचान, इनका वजूद मिटा दिया गया।

कांग्रेस नेता ने 70 वर्षीय किसान एवं सेवानिवृत फौजी राज मोहन सिंह, 35 वर्षीय दलित महिला उमरावती देवी, पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखने वाले 30 वर्षीय धनजेय कुमार बिंद, पूर्व मनरेगा मजदूर 45 वर्षीय सीता देवी (45) और पूर्व मनरेगा मजदूर राजू देवी (55) एवं मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले 52 वर्षीय मजदूर मोहमुद्दीन अंसारी से मुलाकात की। उनके मुताबिक, इनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, जबकि लोकसभा चुनाव में इन्होंने मतदान किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत इन्हें बहुजन और गरीब होने की सज़ा दे रही है। उन्होंने कहा, हमारे जवानों तक को नहीं छोड़ा - न वोट रहेगा, न पहचान रहेगी, और न ही अधिकार। राहुल गांधी का कहना था कि सामाजिक भेदभाव और आर्थिक परिस्थितियों के कारण ये सब 'सिस्टम' के षड़यंत्र के विरुद्ध लड़ पाने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, उनके साथ हम यहां खड़े हैं 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सबसे मूल अधिकार की रक्षा करने के लिए। कांग्रेस नेता ने कहा, यह हक़ का, हिस्सेदारी का, लोकतंत्र में सबकी भागीदारी का सवाल है। इसे हम किसी भी हालत में खत्म नहीं होने देंगे। बाद में उन्होंने औरंगाबाद में कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात का एक वीडियो जारी किया जिनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं।

निर्वाचन आयोग ने बिहार मतदाता सूची से हटाए 65 लाख लोगों के नाम सार्वजनिक किए

पटना/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम सोमवार को सार्वजनिक कर दिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उच्चतम न्यायालय के उस निर्देश की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें कहा गया था कि हटाए गए नामों का विवरण 19 अगस्त तक सार्वजनिक किया जाए और 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की जाए। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर 'एएसडी' (अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत) मतदाताओं के नाम प्रकाशित किए, इसने उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर अमल करते हुए हटाए नामों का प्रकाशन ऑनलाइन भी किया। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, रोहतास, बेगूसराय, अरवल, सीवान, भोजपुर, जहानाबाद, लखीसराय, बांका, दरभंगा, पूर्णिया और अन्य स्थानों के मतदान केंद्रों पर एएसडी सूचियां प्रदर्शित की गई हैं।

'गाजीपुर का नाम बदलकर महर्षि गौतम के नाम पर रखा जाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में बांसडीह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक केतकी सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार से गाजीपुर का नाम बदलकर महर्षि परशुराम के पिता महर्षि गौतम के नाम पर रखने का आग्रह किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक केतकी सिंह ने सोमवार को कहा कि उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है।

केतकी सिंह ने बांसडीह में अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, मैं योगी आदित्यनाथ सरकार और केंद्र से ऐसे सभी नाम बदलने का अनुरोध जरूर करूंगी। ऐसे सभी नाम जो हमें हमारे कलंक की याद दिलाते हैं, जो आक्रांताओं का महिमामंडन करने और उनकी प्रशंसा करने के लिए रखे गए हैं, ऐसे सभी नाम हटा दिए जाने चाहिए तथा महापुरुषों की जन्मस्थली का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए। इसी के तहत मैं चाहती हूं कि गाजीपुर जिले का नाम बदला जाए। केतकी सिंह ने दावा किया कि गाजीपुर का इतिहास महर्षि गौतम के करीब है, और उद्धृत किया कि जिले के नाम को बदल दिया जाना चाहिए क्योंकि इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया गया था। उन्होंने कहा, नाम बदलने से आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। जो देश अपना इतिहास भूल जाता है, वह अपना भविष्य कैसे बना सकता है? अगर आप अपना मूल भूल जाएंगे, तो आप कभी भविष्य नहीं बना पाएंगे।

भाजपा नेता ने कहा, हमने पढ़ा है कि अकबर महान थे। उनकी महानता ऐसी थी कि उनकी महानता लाखों हिंदुओं की लाशों पर लिखी गई है।

धनबाद में जमीन धंसने से मकान ढहा, दर्जनों अन्य क्षतिग्रस्त

धनबाद (झारखंड)/भाषा। धनबाद जिला मुख्यालय से लगभग 19 किलोमीटर दूर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) क्षेत्र में सोमवार को जमीन धंसने की घटना के बाद एक घर ढह गया और एक दर्जन अन्य घरों में दरारें आ गईं। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार तड़के जोगता थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीसीसीएल के मोदीडीह कोलियरी क्षेत्र में स्थित न्यू श्याम बाजार के पास शबरी बस्ती में हुई। अधिकारी ने कहा, यह धंसाव सुबह तीन से चार बजे के बीच हुआ, जिसके कारण एक आवासीय संरचना पूरी तरह ढह गई और लगभग एक दर्जन अन्य घरों में दरारें पड़ गईं। अरुण रजक नामक व्यक्ति का घर उस समय ढह गया जब परिवार सो रहा था। किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। निवासियों ने बताया कि रजक के घर की छत और दीवारें गिरने से पहले तेज़ आवाज़ से उनकी नींद खुल गई। मोदीडीह कोलियरी के परियोजना अधिकारी गोपालजी ने बताया कि प्रभावित परिवार को अस्थायी रूप से मोदीडीह सामुदायिक भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बस्ती से विस्थापित सभी परिवारों को तेतुलमारी क्षेत्र में पुनर्वासित किया जाएगा।

शिक्षक पात्रता परीक्षा में 'देरी' को लेकर अभ्यर्थियों ने पटना में किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा में कथित देरी को लेकर सोमवार को पटना में प्रदर्शन किया और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि अभ्यर्थियों के प्रदर्शन से राज्य की राजधानी के कुछ हिस्सों में वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। पटना (मध्य) की पुलिस अधीक्षक दीक्षा ने बताया कि पटना के डाक बंगला चौराहे पर उस समय अराजकता फैल गई जब प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। पटना से प्रदर्शनकारी अमित कुमार ने कहा, हमारी मांग है कि बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-5) से पहले राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) आयोजित की जाए। परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, एसटीईटी वर्ष में दो बार आयोजित होनी थी, लेकिन पात्रता परीक्षा का पहला चरण अभी तक आयोजित नहीं किया गया है। इससे बी.एड. करने वाले छात्र प्रभावित हो रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टीआरई-5 से पहले एसटीईटी परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी डाक बंगला चौराहे के पास एकत्र हुए और यातायात बाधित किया।

दक्षिणी ओडिशा में भारी बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मलकानगिरी, नबरंगपुर, गजपति और कोरापुट जिलों में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण बारिश हुई, जिससे सोमवार को दक्षिणी ओडिशा में जनजीवन प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मलकानगिरी जिले के कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पोट्टारू, कंगुरकोंडा, कालीमेला कन्याश्रम पुल से चार फुट ऊपर पानी बह रहा था। उन्होंने बताया कि इसी तरह, मलकानगिरी-मोटू-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 326 पर भी वाहनों का आवागमन बंद रहा, क्योंकि कुछ स्थानों पर सड़कें जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलों के जलमग्न होने के कारण यात्री बसों सहित कई वाहन फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मलकानगिरी-सुकमा मार्ग पर स्थित चालंगुडा पुल भी जलमग्न हो गया है, जिससे छत्तीसगढ़ से सड़क संपर्क टूट गया है।

अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण मलकानगिरी हवाई अड्डे की चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। मलकानगिरी जिला प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि सभी पंचायत और ब्लॉक स्तर के कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस ने अपने शासन में पत्तन, परिवहन व जलमार्ग मंत्रालय की अनदेखी की : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पत्तन, परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने सोमवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उसने अपने शासनकाल में इस मंत्रालय की अनदेखी की और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्व सरकार के 10 साल के कार्यकाल में समुद्री क्षेत्र से संबंधित सिर्फ एक विधेयक को ही मंजूरी दी गई।

सोनोवाल उच्च सदन में भारतीय पत्तन विधेयक, 2025 पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे।

सोनोवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पत्तन, परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की उपेक्षा की और 2004 से 2014 तक के दस साल के अपने शासनकाल में केवल एक नया कानून ही बना सकी। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले 11 साल में 11 नए कानून बनाए हैं। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा अपने मंत्रालय से संबंधित नए कानूनों की सूची भी दी। सोनोवाल ने कहा, कांग्रेस ने इस मंत्रालय पर ध्यान ही नहीं दिया। उनके दिमाग में क्षेत्र के सुधार के लिए कोई बात ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा बनाए गए 100 साल से भी ज़्यादा पुराने कानून अब अप्रासंगिक हो गए हैं और आधुनिक समय के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं।

सोनोवाल ने कहा कि अगर कानून आधुनिक, प्रभावी, व्यापार-अनुकूल, पर्यावरण-अनुकूल और लोगों के अनुकूल होंगे, तभी हम देश को आगे ले जा सकते हैं।

चर्चा के दौरान कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। इस विधेयक पर चर्चा शुरू होने के समय ही कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण मुद्दे पर चर्चा कराने की अनुमति नहीं मिलने के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

विपक्ष द्वारा सदन से बहिर्गमन का उल्लेख करते हुए सोनोवाल ने कहा कि कांग्रेस और उनके गठबंधन के दलों को कम से कम राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना विकसित करनी चाहिए क्योंकि वे भी देश के नागरिक हैं।

सार्वजनिक पुस्तकालयों का राष्ट्रीय स्तर का व्यापक डेटाबेस तैयार करने के लिए पहल की गई है : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद में कहा कि संस्कृति मंत्रालय के तहत राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) के माध्यम से हाल ही में देश भर के सार्वजनिक पुस्तकालयों का राष्ट्रीय स्तर का एक व्यापक डेटाबेस तैयार करने और उसे बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि संस्कृति मंत्रालय, एक स्वायत्त संगठन, आरआरआरएलएफ, कोलकाता के माध्यम से देश भर में सार्वजनिक पुस्तकालयों के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

शेखावत ने कहा कि सरकार ने हाल ही में आरआरआरएलएफ के माध्यम से देश भर के सार्वजनिक पुस्तकालयों का एक व्यापक एवं राष्ट्रीय स्तर का डेटाबेस तैयार करने तथा उसे बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

एक अन्य प्रश्न में, केंद्रीय मंत्री से भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, अगले 10 वर्षों में भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण अपने अनुसंधान को राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों के साथ संरेखित करने की परिकल्पना करता है, ताकि विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान दिया जा सके।

शेखावत ने बताया कि इस दृष्टिकोण में व्यापक सामाजिक प्रभाव और आवश्यकताओं के आकलन के माध्यम से हाशिए पर मौजूद समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का समाधान करना और भारत की समृद्ध मूर्त व अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना शामिल है।

एक अन्य प्रश्न में, केंद्रीय मंत्री से एक जनवरी 2020 से प्राप्त शिकायतों की सूची के साथ-साथ गोवा में राज्य और केंद्र द्वारा संरक्षित स्मारकों -- ओल्ड गोवा, हरवलम, अगुआडा -- के संरक्षित एवं विनियमित क्षेत्रों में अवैध निर्माण या अतिक्रमण के बारे में विवरण मांगा गया था।

अपने जवाब में, शेखावत ने सारणीबद्ध आंकड़े प्रस्तुत किए, जिनके अनुसार केंद्र द्वारा संरक्षित स्मारकों से संबंधित पांच में से चार घटनाएं ओल्ड गोवा स्थित बेसिलिका ऑफ बोम जीसस से संबंधित थीं। यह तटीय राज्य का एक प्रतिष्ठित धरोहर स्थल है।

मंत्री ने जवाब में बताया कि बेसिलिका ऑफ बोम जीसस के विनियमित क्षेत्र में किए गए एक अवैध निर्माण के संबंध में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 22 मार्च 2022 को एक नोटिस जारी किया और स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

ओडिशा के संबलपुर में 14 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार, तीन पकड़े गए

संबलपुर/भाषा। ओडिशा के संबलपुर जिले में पांच लोगों ने 14 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना जिले के जुजुमुरा इलाके में रविवार शाम 6.30 से सात बजे के बीच हुई, जब पीड़िता शौच के लिए घर से बाहर गई थी।

एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता के परिवार की लिखित शिकायत के आधार पर जुजुमुरा थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70(2) (नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास के लिए योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास के लिए सोमवार को एक योजना की घोषणा की, और आरोप लगाया कि वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में पूर्व नियोजित हमलों का सामना कर रहे हैं।

राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से बातचीत में बनर्जी ने कहा कि 'श्रमश्री' योजना के तहत, बंगाल लौटने के इच्छुक प्रवासी मजदूरों को 12 महीने के लिए या रोजगार मिलने तक 5,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया, लगभग 22 लाख प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों को अन्य राज्यों में परेशान किया जा रहा है, खासकर उन राज्यों में जहां 'डबल-इंजन' वाली सरकारें हैं। वे पूर्व नियोजित हमलों का सामना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मंत्रिमंडल ने प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास और उन्हें अपना गुजर बसर फिर से शुरू करने में मदद के लिए इस योजना को मंजूरी दे दी है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

भाजपा नेता निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता बन गए हैं : अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और निर्वाचन आयोग (ईसी) के बीच सांठगांठ का दावा करते हुए सोमवार को कहा कि भाजपा नेता सचमुच आयोग के प्रवक्ता बन गए हैं और नरेन्द्र मोदी-नीत सरकार के अधीन इसकी स्वायत्तता कम कर रहे हैं।

बनर्जी ने दिल्ली से लौटने के बाद शहर के हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि निर्वाचन आयोग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी स्वायत्त केंद्रीय एजेंसियां मोदी सरकार की कठपुतली बन गई हैं और भाजपा बिना किसी ठोस सबूत के उनके जैसे विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए इन (स्वायत्त) एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पर डायमंड हार्बर लोकसभा सीट की मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम होने का झूठा दावा करने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, मैंने अनुराग जी को अपनी सीट पर ज्यादातर असली मतदाताओं के होने के सबूत सौंपे थे, सिवाय कुछ ऐसे मतदाताओं के, जिनकी इस बीच मृत्यु हो गई थी। इसके बाद इस मुद्दे पर उनकी ओर से कोई बयान नहीं आया।

बनर्जी ने जोर देकर कहा कि वह भाजपा की तरह मतदाताओं का सामना करने से नहीं डरते। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत करके धोखाधड़ी से चुनाव जीतना चाहती है। उन्होंने सवाल किया, अनुराग ठाकुर जैसे भाजपा नेता निर्वाचन आयोग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के पक्ष में क्यों बोल रहे हैं?''

ठाकुर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली में भाजपा नेता बड़े-बड़े, बेतुके और झूठे दावे करते हैं। जब तथ्यों से सामना होता है, तो वे कभी अपनी गलतियां स्वीकार नहीं करते। ठाकुर को बंगाल और इसके लोगों की बहुत कम समझ है। उन्होंने कहा, एक बार मैंने जांच के सिलसिले में अपने दस्तावेज़ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे थे। बाद में, मैं एक भाजपा नेता को उन दस्तावेज़ों के विशिष्ट विवरणों का हवाला देते हुए सुनकर दंग रह गया। उन्होंने पूछा कि भाजपा नेता कथित रूप से स्वतंत्र एजेंसियों को सौंपी गई गोपनीय जानकारी तक कैसे पहुंच पा रहे हैं?'' उन्होंने आगे कहा, इससे हमें एहसास होता है कि भाजपा ही निर्वाचन आयोग है, भाजपा ही प्रवर्तन निदेशालय है।

सुविचार

हर दिन एक नया अवसर होता है। इसे बेहतर बनाने के लिए आगे बढ़े।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हर मोर्चे पर मजबूत बने भारत

हर साल स्वतंत्रता दिवस के आस-पास 'भारत विभाजन' के जिम्मेदारों पर खूब चर्चा होती है। सोशल मीडिया पर बहुत लोग यह कहते मिल जाते हैं कि 'काश, विभाजन न होता, लोगों के घर न उजड़ते और लाखों लोगों को जान न गंवानी पड़ती।' वे ऐसे राष्ट्र के निर्माण का संकल्प दोहराते हैं, जिसमें भारत के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश को शामिल कर लिया जाए। यह उनकी एक नेक भावना हो सकती है। इसके साथ ही उन्हें स्पष्टता की बहुत जरूरत है। हम विभाजन को नहीं भुला सकते, लेकिन अब हमें इससे आगे बढ़ना होगा। हमें उस मुकाम पर पहुंचना होगा, जहां भारत सबसे ज्यादा शक्तिशाली और समृद्ध देश हो। वर्ष 1947 में जिस तरह हमारे देश का विभाजन किया गया, उसके लिए अंग्रेजों ने बहुत पहले ही मंसूबा बना लिया था। उन्होंने जिन्ना को एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया, जो अति महत्वाकांक्षी थे। एक तरफ जहां महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल जैसे नेता राष्ट्रीय एकता पर जोर दे रहे थे, वहीं जिन्ना और उनकी मंडली ने इतनी ज्यादा नफरत फैला दी थी कि विभाजन होना ही था। उन्हें अंग्रेजों का आशीर्वाद जो प्राप्त था! बहुत कम लोगों को पता होगा कि जिन्ना एक ज़माने में अभिनेता बनना चाहते थे। उन्होंने स्टेज ड्रामों में भाग लिया था, लेकिन अपने पिता की फटकार के बाद वकालत में रुचि लेनी शुरू की थी। अब पाकिस्तानी शोधकर्ता यह स्वीकार करने लगे हैं कि जिन्ना ने अंग्रेजों के इशारों पर ऐसा अभिनय किया था कि बहुत लोगों ने उनके वादों को सच मान लिया था। जिन्ना के सामने जैसा व्यक्ति आया, उन्होंने उससे वैसा ही वादा कर दिया था।

विभाजन के दौरान पाकिस्तान जाने वाले ज्यादातर लोगों को यह भ्रम था कि नया मुल्क बहुत खुशहाल होगा, वहां कोई अभाव नहीं होगा, सबके साथ इन्साफ होगा, शांति होगी, बहुत मज़े से ज़िंदगी गुजरेगी। आज के पाकिस्तान को देखकर वे अपना माथा पीटते होंगे, जहां आए दिन बम फूट रहे हैं। वर्ष 1947 तक हालात इतने ज्यादा बिगड़ चुके थे कि अगर विभाजन का फैसला स्वीकार नहीं किया जाता तो रियासतों के एकीकरण में बहुत बाधा आती, शासन चलाना मुश्किल हो जाता। विभाजन मुख्यत: दो परिस्थितियों में टल सकता था- अगर देशवासियों में इतना गहरा मेलजोल होता कि वे खुद ही इसे साफ शब्दों में नकार देते अथवा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज़ाद हिंद फौज पूरी फतह हासिल करते हुए लाल किले पर झंडा फहरा देती। नेताजी राष्ट्रवाद के महान समर्थक थे और बहुत लोकप्रिय थे। वे देशवासियों को एकजुट रख सकते थे और विभाजन की साजिश को विफल कर सकते थे। उन्होंने आज़ाद हिंद फौज के जरिए दिखा दिया था कि लोग जातिवाद, मजहब, प्रांतवाद, भाषावाद आदि से ऊपर उठकर भारत के लिए एकजुट हो सकते हैं। जिन्ना के पास पाकिस्तान के लिए कोई विज़न नहीं था। मुल्क कैसा होगा, किसकी क्या भूमिका होगी, शासन कैसे चलेगा - जैसे बुनियादी सवालों के बारे में उन्होंने कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए थे। जिन्ना का देहांत होते ही पाकिस्तानी नेताओं में जमकर सिर-फुटौवल शुरू हो गई थी, जो आज तक जारी है। इसका फायदा पाकिस्तानी फौज ने उठाया। वह अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए भारत से नफरत को बढ़ावा देती है। आज एक आम पाकिस्तानी का इतना ब्रेन वॉश हो चुका है कि उसे भारत में अपना दुश्मन नजर आता है। इस पड़ोसी देश के कितने ही कथित उदारवादी बुद्धिजीवी हिंदुत्व की निंदा करना अपना कर्तव्य समझते हैं। उन्हें सनातन धर्म, वेदों, अवतारों, ऋषियों आदि के बारे में कुछ भी मालूम न हो, लेकिन वे सबके बारे में एक ही धारणा रखते हैं। क्या ऐसे हालात में संबंध सुधर सकते हैं? हमें विभाजन से सबक लेते हुए भारत को हर मोर्चे पर इतना मजबूत बनाना चाहिए कि वह दुनिया का नेतृत्व करे। जहां तक 'अखंड भारत' बनाने का सवाल है, तो एकीकरण की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। जर्मनी इसकी मिसाल है।

ट्वीटर टॉक

आज माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से भेंट कर नई वंदे भारत ट्रेन (जोधपुर से दिल्ली) के परिचालन का आग्रह रखा। साथ ही यह भी निवेदन किया कि ट्रेन सुबह जल्दी जोधपुर से रवाना हो और उस दिन ही शाम को दिल्ली से जोधपुर के लिए वापसी करे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज मेवाड़ क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं राष्ट्रीय गौरव महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े सभी स्थलों को महाराणा प्रताप सर्किट परियोजना में सम्मिलित कर विकसित करने की समीक्षा बैठक कुम्भलगढ़ दुर्ग में ली। परियोजना के प्रगति कार्यों की गहन समीक्षा की।

-दीया कुमारी

जयपुर स्थित राजकीय आवास पर जनसुनवाई आयोजित कर प्रदेशभर से आए नागरिकों की समस्याओं एवं सुझावों को सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई जैसे प्रयास सरकार और जनता के बीच विश्वास को अधिक सशक्त बनाते हैं।

-मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

चाणक्य की मातृभक्ति

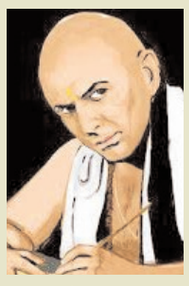

प्रकांड विद्वान व कूटनीतिज्ञ चाणक्य अपनी माता से अत्यंत प्रेम करते थे। बचपन में एक दिन, उनकी अनुपस्थिति में एक ज्योतिषी उनके घर आया। चाणक्य की माता ने उसकी कुंडली ज्योतिषी को दिखाई। ज्योतिषी बोले, 'मां, तेरा पुत्र अत्यंत भाग्यशाली है। एक दिन यह चक्रवर्ती सम्राट बनेगा। यदि विश्वास न हो तो उसके आगे के दांत को देखोउस पर नाग का चिह्न होगा।' जब चाणक्य लौटे, तो मां ने दांत पर वह निशान देखकर ज्योतिषी की बात की पुष्टि की। यह सुनकर वे चिंतित हो गईं कि सम्राट बनने पर कहीं चाणक्य उन्हें भूल न जाए। मां की चिंता देखकर चाणक्य ने कारण पूछा। पूरी बात जानने के बाद उन्होंने तुरंत वह दांत एक पत्थर से तोड़ डाला और मां के सामने रखते हुए बोले, 'मां, तुम्हारे चरणों में एक नहीं, अनेक सम्राट-पद निछावर हैं।'

सामयिक

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतुके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है।

विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है। लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को विघटन' में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है। अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे, अपनी नीतियों और रणनीतियों को परखे तथा केवल विरोध के लिए विरोध करने की बजाय वैकल्पिक दृष्टि और ठोस समाधान प्रस्तुत करे। यही सच्चे लोकतंत्र का तकाज़ा है और यही राष्ट्रहित का मार्ग।

नजरिया

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार : एक तीर से कई निशाने

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

कई बार ऐसा होता है कि विपक्ष अपनी रणनीति बना लेता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस रणनीति के बीच अचानक ऐसा दांव खेल देते हैं कि विपक्षी खेमा चकरा जाता है। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का नाम सामने आना ऐसा ही मास्टरस्ट्रोक है। आपको याद होगा, जब जगदीप धनखड़ को बीजेपी ने उपराष्ट्रपति के लिए उम्मीदवार चुना था तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुविधा में फंस गई थीं। क्योंकि धनखड़ उस समय पश्चिम बंगाल के राज्यपाल हुआ करते थे और ममता विपक्षी दलों की टीम में थीं। आखिर उन्होंने धनखड़ को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। अब यही दुविधा उद्धव ठाकरे और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के सामने आ गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीपी राधाकृष्णन का नाम आगे बढ़ाकर इन दोनों नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उद्धव ठाकरे के लिए मुश्किल यह है कि अगर वे राधाकृष्णन को समर्थन नहीं देते हैं, तो यह सीधा मैसेज जाएगा कि उन्होंने अपने ही राज्यपाल के खिलाफ जाकर वोट किया। राजनीति में यह बात जनता और विपक्ष दोनों ही आसानी से पकड़ लेते हैं। यही वजह है कि संजय राउत ने तुरंत कहा, राधाकृष्णनजी बहुत अच्छे इंसान हैं, विवादास्पद नहीं हैं और उनके पास अनुभव है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। संजय राउत का बयान संकेत है कि उद्धव ठाकरे इस मामले में बहुत आगे जाकर खुलकर विरोध नहीं कर पाएंगे। उनके पास सिर्फ दो विकल्प हैं- या तो चुप्पी साध लें या समर्थन कर दें।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी असमंजस में आएंगे। वजह यह है कि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु के हैं और उन्होंने हमेशा अपने को 'प्राउड आरएसएस कैडर' बताया है। अब स्टालिन अगर उन्हें समर्थन देते हैं तो डीएमके के वोटरों में सवाल उठेगा कि आखिर स्टालिन ने एक आरएसएस विचारधारा वाले नेता का समर्थन क्यों किया। और अगर विरोध करते हैं, तो यह आरोप लगेगा कि उन्होंने तमिलनाडु के सपूत को ही नकार दिया। यानी स्टालिन के लिए भी यह चुनाव 'हां' या 'ना' दोनों में फंसा हुआ है।

मोदी और शाह की राजनीति की खासियत यह है कि वे चुनावी मुकाबले को सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं मानते, बल्कि उसे मनोवैज्ञानिक लड़ाई बना देते हैं। राधाकृष्णन का नाम घोषित कर वे एक तीर से तीन निशाने साध चुके हैं। उद्धव ठाकरे को मजबूर कर दिया कि वे विरोध न कर पाएं। स्टालिन को ऐसी स्थिति में डाल दिया कि कोई भी फैसला उनके लिए भारी पड़े। राहुल गांधी को कमजोर दिखा दिया, क्योंकि विपक्षी एकता अब सवालों के घेरे में आ गई। अगर उद्धव ठाकरे और स्टालिन जैसे बड़े चेहरे समर्थन की तरफ झुकते हैं, तो विपक्षी गठबंधन में दरार साफ दिखाई देगी। उनके वोट भी कम हो जाएंगे।सीपी राधाकृष्णन अनुभवी हैं। वे अभी चार राज्यों में संवैधानिक जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इनमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, पुडुचेरी, झारखंड शामिल हैं।

सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। उनका जन्म जन्म 20 अक्टूबर 1957 को हुआ था। उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की। उनका राजनीतिक सफर आरएसएस से शुरू हुआ। 1974 में वे भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। ये ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आते हैं। इनकी पत्नी का नाम आर। सुमति है। वहीं, साल 1996 में इनको भाजपा तमिलनाडु का सचिव बनाया गया। इसके बाद 1998 में कोयंबटूर से ये पहली बार लोकसभा सांसद चुने गए और 1999 में फिर से जीत का परचम लहराया। साथ ही संसद में उन्होंने टेक्सटाइल पर स्थायी समिति के अध्यक्ष के तौर पर भी काम किया है। ये पीएसयू समिति, वित्त पर परामर्श समिति और शेयर बाजार घोटाले की जांच करने वाली विशेष समिति के सदस्य भी रहे हैं। साल 2004 में इन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को भारतीय संसदीय दल के हिस्से के रूप में संबोधित भी किया है। ये ताइवान जाने वाले पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे।

वर्ष 2004 से 2007 तक वे भाजपा तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने 19,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा निकाली, जो 93 दिनों तक चली। इस यात्रा में उन्होंने नदियों को जोड़ने, आतंकवाद खत्म करने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जैसे मुद्दे उठाए। माना जाता है इस यात्रा से इनका राजनीतिक कद और बढ़ गया था। इसके अलावा उन्होंने दो पदयात्राएं भी कीं। 2016 से 2020 तक वे कोचीन स्थित कोयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उनके नेतृत्व में कोयर निर्यात 2532 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। 2020 से 2022 तक वे भाजपा के ऑल इंडिया प्रभारी रहे और उन्हें केरल का जिम्मा सौंपा गया।

18 फरवरी 2023 को उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने मात्र चार महीनों में राज्य के सभी 24 जिलों का दौरा किया और जनता व प्रशासन से सीधे संवाद किया। 31 जुलाई 2024 को उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। इसी बीच साल 2024 में इन्हें तेलंगाना का भी राज्यपाल बनाया गया था। इतना ही नहीं, ये पुडुचेरी के उपराज्यपाल भी बनाए जा चुके हैं।

सीपी राधाकृष्णन एक अच्छे खिलाड़ी भी रहे हैं। कॉलेज स्तर पर वे टेबल टेनिस चैंपियन और लंबी दूरी के धावक रहे। इसके अलावा उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल का भी शौक रहा है। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, चीन और कई यूरोपीय देशों सहित दुनिया के कई हिस्सों की यात्राएं की हैं। एनडीए के संख्याबल को देखते हुए उनका निर्वाचन तय है। 68 साल के सीपी राधाकृष्णन उम्र के लिहाज से भी मुफीद हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उम्र 74 साल थी। सी पी राधाकृष्णनन पीएम मोदी से लंबे समय से जुड़े हैं। तमिलनाडु में उन्हें 'कोयम्बटूर के अजातशत्रु' और 'वाजपेयी ऑफ कोयम्बटूर' कहा जाता है। राधाकृष्णनन स्वच्छ छवि वाले सर्वमान्य नेता रहे हैं। वह अभी तक स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक हैं।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के उम्मीदवारों के नामों पर विपक्ष में पहले भी सेंध लगती रही है। ऐसे में राधाकृष्णन की उम्मीदवारी विपक्षी एकता की भी परीक्षा मानी जा रही है। पिछले कुछ चुनावों के उदाहरण देखें तो विभिन्न कारणों से विपक्ष के खेमे में फूट पड़ती रही है और इस बार डीएमके के सामने सबसे बड़ी दुविधा होगी। राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को एनडीए का बेहद सोचा समझा कदम माना जा रहा है। साथ ही इसे दक्षिण भारत में भाजपा की राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

विपक्ष में कैसे पड़ी फूट, इन उदाहरणों से समझिए - यूपीए ने राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिभा पाटिल को उम्मीदवार बनाया था और इस पर महाराष्ट्र की होने के नाते शिवसेना ने एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद प्रतिभा पाटिल का समर्थन किया था। इसी तरह जब यूपीए ने प्रणब मुखर्जी को जब राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था, तब भी एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद शिवसेना और जेडीयू ने उनका समर्थन किया था। रामनाथ कोविंद को जब एनडीए ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था तब जेडीयू ने विपक्ष में रहने के बावजूद समर्थन किया था क्योंकि वे बिहार के गवर्नर थे। इसी तरह जब एनडीए ने जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया तब तृणमल कांग्रेस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था और धनखड़ सर्वाधिक मतों से जीतने वाले उपराष्ट्रपतियों में से एक बने थे।

चुनाव के लिए जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 782 सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं, जिसमें 542 लोकसभा और 240 राज्यसभा के हैं। चुनाव में बहुमत के लिए 392 सांसदों की जरूरत होगी।वहीं, सरकार के पक्ष में 427 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है, जिसमें 293 लोकसभा और 134 राज्यसभा के सदस्य शामिल हैं। इसके इतर विपक्ष के पास 355 सांसदों का गणित है, जिसमें 249 लोकसभा और 106 राज्यसभा के सदस्य शामिल हैं। हालांकि, इनमें से 133 सांसदों का समर्थन अभी अनिर्णित माना जा रहा है जो इस चुनाव के फैसले में निर्णायक साबित हो सकते हैं।इन्हीं अनिर्णित 133 वोटों को अपने पक्ष में करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इंडिया ब्लॉक को होने वाली बैठक में इस नंबर गेम पर चर्चा हो सकती है। कांग्रेस और अन्य दलों के नेता अपने उम्मीदवार को मजबूत करने और सरकार के नंबर गेम को चुनौती देने की रणनीति बना सकते हैं। जबकि दूसरी ओर सरकार अपने सहयोगियों साथ मिलकर विपक्ष की कोशिशों को कमजोर करने में जुटी है। इसी क्रम में राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष से बातचीत कर समर्थन मांगा है, क्योंकि इन अनिर्णित वोटों में कई क्षेत्रीय दलों का प्रभाव हो सकता है।

दरअसल, उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाला चुनाव सामान्य चुनाव से विपरीत होता है। उपराष्ट्रपति का चयन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से एकल हस्तांतरणीय मत प्रणाली द्वारा किया जाता है। विजेता घोषित होने वाले उम्मीदवार को मतों का एक कोटा पार करना होगा जो कुल वैध वोटों के दो से भाग देकर और एक जोड़कर की जाती है। अगर कोई उम्मीदवार पहली मतगणना में इस कोटे को पार नहीं कर पता तो सबसे कम प्रथम-वरीयता वाले मत पाने वाले उम्मीदवार को प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है। फिर उनके मतपत्रों को दूसरी वरीयता के आधार पर पुनर्वितरित किया जाता है। ये प्रक्रिया तब तक चलती है जब तक कोई उम्मीदवार बहुमत प्राप्त नहीं कर लेता।

सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति बनते हैं तो वे तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनने वाले तीसरे नेता होंगे और ऐसे में द्रमुक के लिए यह मुश्किल भरा फैसला होगा। हालांकि इंडिया गठबंधन ने भी अपना उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला किया है। लिहाजा बीजेपी विरोधी पार्टियों का रुख इस बात पर भी निर्भर करेगा कि वह उम्मीदवार कौन होगा। सीपी राधाकृष्णन के चुनाव की कमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संभालेंगे। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सी पी राधाकृष्णन के इलेक्शन एजेंट होंगे। आपको बता दें कि पिछले महीने जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद चुनाव आयोग ने कुछ समय पहले उपराष्ट्रपति पद के इलेक्शन का चुनावी कार्यक्रम तय किया था। यह चुनाव 9 सितंबर को होगा। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अभिवादन

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव सोमवार को बिहार के कुटुम्बा में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते हुए।

कोविड-19 के कारण रक्त वाहिकाएं पांच साल तक बूढ़ी हो सकती हैं : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। कोविड-19 संक्रमण से खासकर महिलाओं में रक्त वाहिकाओं की उम्र लगभग पांच साल बढ़ सकती है। एक नए अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। यह प्रभाव उन महिलाओं में ज़्यादा पाया गया, जिन्होंने कोविड-19 से उबरने के बाद भी लगातार लक्षणों का अनुभव किया-जिसे मुख्य रूप से 'लॉन्ग कोविड' कहा जाता है। इसमें सांस लेने में तकलीफ और थकान जैसी दिक्कतें होती हैं।'यूनिवर्सिटी पेरिस सिटी, फ्रांस की प्रमुख शोधकर्ता रोज़ा मारिया ब्रूनो ने कहा, महामारी के बाद से, हमने जाना है कि (कोरोना वायरस) से संक्रमित कई लोगों में ऐसे लक्षण रह जाते हैं जो महीनों या सालों तक रह सकते हैं। हालांकि, हम अब भी यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि शरीर में ऐसा क्या होता है जिससे ये लक्षण पैदा होते हैं।'यूरोपियन हार्ट जर्नल' में प्रकाशित इस अध्ययन में ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील और यूरोप सहित 16 देशों के लगभग 2,400 लोगों पर अध्ययन किया गया, जिनमें से लगभग आधी महिलाएं थीं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ रक्त वाहिकाएं सख्त हो जाती हैं, लेकिन कोविड-19 संक्रमण इस प्रक्रिया को तेज कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे सहित हृदय रोग विकसित होने का जोखिम बढ़ा सकता है।अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों की रक्त वाहिकाओं की उम्र को एक उपकरण का उपयोग करके मापा गया, जो यह देखता है कि रक्तचाप की लहर कितनी तेजी से कैरोटिड धमनी (गर्दन में) और ऊरु धमनियों (पैरों में) के बीच पहुंचती है। ज्यादा मान रक्त वाहिकाओं की ज़्यादा कठोरता और उम्र बढ़ने का संकेत देता है। ये माप कोविड-19 संक्रमण के छह महीने बाद और फिर 12 महीने बाद लिए गए।

अध्ययन में कहा गया, महिलाओं में (नाड़ी तरंग वेग) अंतर महत्वपूर्ण था, लेकिन पुरुषों में नहीं। कोरोना वायरस से संक्रमित महिलाओं में, लगातार लक्षण उच्च (नाड़ी तरंग वेग) से जुड़े थे। कोविड-19 रक्त वाहिकाओं को कैसे प्रभावित करता है, इस बारे में ब्रूनो ने कहा कि रोग पैदा करने वाला वायरस शरीर में विशिष्ट रिसेप्टर्स पर कार्य करता है, जिन्हें एंजियोटेंसिन-परिवर्तित एंजाइम 2 रिसेप्टर्स कहा जाता है, जो रक्त वाहिकाओं की परत पर मौजूद होते हैं।

'यूरोपियन हार्ट जर्नल' में प्रकाशित एक संबंधित संपादकीय में, अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने लिखा, हालांकि कोविड-19 महामारी का बड़ा खतरा कम हो गया है, लेकिन इसके बाद एक नई चुनौती सामने आई है: पोस्ट-एक्यूट कोविड-19 सिंड्रोम।

मेक इन इंडिया को 'भारत की जरूरत वाली सभी चीजें बनाने' में न बदला जाए : सुब्बाराव

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने सोमवार को आगाह करते हुए कहा कि 'मेक इन इंडिया' को 'भारत की जरूरतों' के अनुसार सब कुछ बनाने' में नहीं बदलना चाहिए क्योंकि इससे देश में निवेश और उत्पादकता प्रभावित होगी। सुब्बाराव ने यह भी कहा कि अमेरिका के भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क से सबसे महत्वपूर्ण विदेशी बाजार अमेरिका में भारतीय वस्तुओं की लागत बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, अगर 'मेक इन इंडिया' को 'भारत की जरूरतों के अनुसार सब कुछ बनाने' में बदला जाता है, तो हम चीन से निवेश आकर्षित करने का मौका गंवा देंगे। सुब्बाराव ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, शुल्क हमें याद दिलाते हैं कि खुलापन सतत विकास का मार्ग है न कि अलग-थलग होकर रहना। 'मेक इन इंडिया' की सफलता प्रतिस्पर्धा पर निर्भर करती है, संरक्षणवाद पर नहीं।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा, प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में आत्मनिर्भर भारत, एक आकांक्षा की बात दोहरायी थी। इसका अर्थ रक्षा और ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में रणनीतिक आत्मनिर्भरता होना चाहिए, न कि पूर्ण आत्मनिर्भरता। उन्होंने कहा, मेक इन इंडिया' की परिकल्पना देश को एक निर्यात-आधारित विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए की गई थी। इसका मतलब था कि भारत में निर्माण, न केवल देश के लिए, बल्कि दुनिया के लिए है। सुब्बाराव ने कहा, दंडात्मक अमेरिकी शुल्क हमारे सबसे महत्वपूर्ण विदेशी बाजार में भारतीय वस्तुओं की लागत बढ़ाकर इस महत्वाकांक्षा को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी चीन प्लस-1 रणनीति में चीन के विकल्प के रूप में देखने वाले निवेशक ऐसे भारत में निवेश करने से हिचकिचाएंगे, जिस पर एशिया में सबसे अधिक शुल्क लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा था कि किसी भी राष्ट्र के लिए, आत्मसम्मान का सबसे बड़ा आधार अब भी 'आत्मनिर्भरता' है और 'विकसित भारत' का आधार भी 'आत्मनिर्भर भारत' है।

भारत के निर्यात और प्रतिस्पर्धी क्षमता पर 50 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सुब्बाराव ने कहा कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। यह हमारे कुल निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, औषधि और इलेक्ट्रॉनिक्स को छूट देने के बाद भी 50 प्रतिशत शुल्क हमारे निर्यात के कम-से-कम आधे हिस्से को प्रभावित करेगा। खासकर कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, और चमड़ा जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में इसका असर होगा। सुब्बाराव ने यह भी बताया कि औषधि और इलेक्ट्रॉनिक्स पर मौजूदा छूट स्थायी नहीं हैं। जारी समीक्षा भविष्य में उन्हें शुल्क के दायरे में ला सकती है। उन्होंने कहा, ज्यादा चिंता की बात यह है कि भारत अब एशिया में सबसे ज्यादा शुल्क का सामना कर रहा है। भारत पर लगा शुल्क बांग्लादेश (20 प्रतिशत), वियतनाम (20 प्रतिशत) और इंडोनेशिया (19 प्रतिशत) से कहीं ज्यादा है।

यह एक महत्वपूर्ण समय में हमारी चीन प्लस-1 आकांक्षा को कमजोर करता है। सुब्बाराव ने कहा कि फरवरी की बैठक में नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को तिगुना से भी ज्यादा बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने का संयुक्त वादा अब स्पष्ट रूप से अवास्तविक लगता है। हमारे निर्यात पर संभावित प्रभाव का आकलन करते समय, हमें इस संभावना पर भी विचार करना होगा कि चीन अपने अमेरिकी बाजार में हुए नुकसान की भरपाई के लिए विश्व बाजारों में डंपिंग कर सकता है। उन्होंने कहा, जहां तक इन बाजारों में हमारी प्रतिस्पर्धा का सवाल है, अमेरिका के बाहर के देशों को होने वाले हमारे निर्यात पर भी असर पड़ेगा।

विदेश मंत्री वांग की यात्रा का उद्देश्य भारत के साथ मिलकर महत्वपूर्ण निर्णयों को लागू करना है : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति और पिछले दौर की सीमा वार्ता के दौरान लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना है।

वांग राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की वार्ता में भाग लेने के लिए सोमवार से दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं।

डोभाल ने दिसंबर में चीन की यात्रा की थी और वांग के साथ 23वें दौर की वार्ता की थी। इससे कुछ सप्ताह पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अक्टूबर में रूसी शहर कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर अपनी बैठक में दोनों पक्षों के बीच विभिन्न वार्ता तंत्र को बहाल करने का निर्णय लिया था। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि वांग की यात्रा के माध्यम से चीन भारत के साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करता है।

समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज और तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान सोमवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन से बाहर आते हुए।

लेह में एक फिल्म यूनिट के 100 से अधिक सदस्य खाद्य विषाक्तता से बीमार हुए

लेह/भाषा

लेह में एक फिल्म यूनिट के 100 से अधिक सदस्य खाद्य विषाक्तता का शिकार हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सभी की हालत अब स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, रविवार देर रात सभी मरीजों को तेज पेट दर्द, सिरदर्द और उल्टी की शिकायत के बाद एसएनएम अस्पताल लाया गया। ये सभी गैर-स्थानीय कर्मचारी हैं जो यहां एक आगामी बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग करने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि करीब 600 लोगों ने शूटिंग स्थल पर भोजन किया था। उन्होंने बताया ''भोजन के नमूने जांच के लिए एकत्र कर लिए गए हैं।'' अस्पताल के एक डॉक्टर ने कहा, यह स्पष्ट रूप से खाद्य विषाक्तता का मामला है। सूचना मिलते ही सभी विभागों से स्टाफ को तुरंत जुटाया गया और स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला गया। डॉक्टर ने बताया कि आपातकालीन वार्ड में भीड़ बढ़ने के कारण पुलिस को भी बुलाना पड़ा ताकि अफरा-तफरी जैसी स्थिति को संभाला जा सके। उन्होंने कहा कि सभी मरीजों की हालत स्थिर है और ज्यादातर को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

नई सीरीज 'राख' का पहला पोस्टर आउट

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अली फजल को उनके किरदार 'मुन्ना भैया' के लिए लोग याद करते हैं। उनकी लेटेस्ट सीरीज का अनाउंसमेंट हो गया है। अली फजल की नई सीरीज का नाम होगा 'राख'। इसमें वो एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे। 'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर है। सीरीज के पहले पोस्टर को आज इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'राख से निकलेगा न्याय, नई ओरिजिनल सीरीज प्राइम वीडियो पर 2026 में आएगी।' इसके पहले पोस्टर में अली फजल हैरानी से किसी चीज को निहारते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में 'मुन्ना भैया' वाला खौफ कम और हैरानी अधिक दिख रही है। इसके बैकग्राउंड में एक पुरानी पुलिस की जीप खड़ी है और साथ में कुछ पुलिस वाले दिखाई दे रहे हैं।

वर्दी में अली फजल काफी दमदार दिख रहे हैं। इससे ये कहा जा सकता है कि ये सीरीज भी काफी धमाकेदार होगी। इसमें सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर भी अहम रोल निभाएंगे। पहले पोस्टर को देखने के बाद लोग भी इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इसे लाइक करते हुए वो इस सीरीज को देखने के लिए उत्साहित दिखे। कइयों ने फायर इमोजी भी शेयर की है। इस सीरीज को प्रोसित रॉय ने डायरेक्ट किया है। इन्होंने ही अनुष्का शर्मा की फिल्म 'परी' को डायरेक्ट किया था। बताया जा रहा है कि इसमें अपराध और न्याय के बीच की मनोवैज्ञानिक जटिलताओं को दिखाया जाएगा। इस सीरीज को एंडेमोल शाइन इंडिया और गुलबदन टॉकीज ने प्रोड्यूस किया है। डायलॉग्स आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं। 'राख' साल 2026 में प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इससे पहले अली फजल को अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में देखा गया था। इसमें वो एक स्ट्रग्लिंग सिंगर के किरदार में दिखाई दिए थे। अली फजल ने एक पोस्ट में अनुराग बसु की तारीफ करते हुए कहा था, उनके साथ काम करना एक म्यूजिकल सपने जैसा है। उनकी फिल्मों में एक अनोखा जादू होता है। मैं इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। फिल्म में अली फजल और फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'राव बहादुर' का टीजर देख गदगद हुए एसएस राजामौली

हैदराबाद/एजेन्सी

तेलुगू सिनेमा के उभरते सितारे सत्यदेव की अपकमिंग फिल्म 'राव बहादुर' का टीजर मेकर्स ने जारी कर दिया है। सुपरस्टार महेश बाबू के जीएमबी एंटरटेंमेंट के बैनर तले फिल्म बनी है, जिसे लेकर दर्शक काफी उत्सुक हैं।

टीजर में एक्टर सत्यदेव का दमदार और अनोखा लुक देखने को मिला, जिसे फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली ने कमाल का बताया। 'राव बहादुर' का टीजर रहस्यमयी दुनिया में ले जाता है, जहां सस्पेंस और रोमांच का लेवल काफी हाई है और अभिनेता सत्यदेव शाही अंदाज में दिख रहे हैं, जिसमें उन्हें भारी सूट और राजसी पगड़ी पहने देखा जा सकता है। साइकोलॉजिकल-ड्रामा के टीजर में दिखाया गया है हीरो

कुछ ऐसी हरकतें करता है जिससे उसको लेकर संदेह की स्थिति पैदा होती है।

निर्देशक एसएस राजामौली ने टीजर को लॉन्च किया, जिसमें सत्यदेव एक रहस्यमयी और ताकतवर किरदार में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक और बैकग्राउंड का सस्पेंस भरा माहौल दर्शकों को भी पसंद आ रहा है। 'राव बहादुर' एक एक्शन और ड्रामा से भरपूर कहानी है। एसएस राजामौली ने लीड एक्टर सत्यदेव के किरदार और लुक की तारीफ करते हुए इसे शानदार बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, सत्यदेव को आगे बढ़ते और बड़े-बड़े किरदार निभाते देखकर खुशी हुई। 'राव बहादुर' के लिए उन्हें और महा को मेरी शुभकामनाएं। आप लोगों की मेहनत को पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हूं।

'राव बहादुर' फिल्म का निर्देशन वेंकटेश महा ने किया है। इस फिल्म को ए प्लस एस मूवीज, श्रीचक्रास एंटरटेनमेंट्स और महायान मोशन पिक्चर्स ने साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाया है। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की रिलीज डेट का एलान नहीं किया है। सत्यदेव कांचराना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। सत्यदेव 'मिस्टर परफेक्ट', 'अत्तारंटिकी दरेदी', 'क्षणं', 'द गाजी अटैक', और 'गोडसे' में भी काम कर चुके हैं।

मलयालम फिल्म निर्देशक निसार का 65 वर्ष की आयु में निधन

कोट्टायम/भाषा

मलयालम फिल्म निर्देशक निसार का सोमवार को चंगनाशेरी में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। चंगनाशेरी के समीप त्रिकोडिथानम में जन्मे निसार ने वर्ष 1994 में फिल्म 'सुदिनम' से निर्देशन की शुरुआत की थी। इसके बाद दो दशक में उन्होंने मलयालम और तमिल में 27 फिल्में निर्देशित कीं। उनकी अंतिम फिल्म 'लाफिंग अपार्टमेंट नियर गिरिनगर' वर्ष 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म निर्देशक संघ 'एफईएफकेए' ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि निसार अपनी तेज गति से फिल्म पूरी करने की क्षमता और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के लिए जाने जाते थे।

संघ ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण और तकनीकी कौशल कई युवा फिल्मकारों के लिए सीख बन गया। निसार को व्यस्त कलाकारों जैसे जगती श्रीकुमार के जटिल दृश्यों की शूटिंग केवल एक-दो दिन में पूरी करने के लिए भी सराहा गया। उनकी एक ही शॉट में फिल्माई गई फिल्म 'टू डेज' कई फिल्म समारोहों में प्रदर्शित हुई और उसने पुरस्कार भी जीते। परिवार के अनुसार, उन्हें स्थानीय मस्जिद में दफनाया जाएगा।

परेड

इंडोनेशिया के 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में, आचे प्रांत के ल्होकसेउमावे में एक सांस्कृतिक परेड में भाग लेते छात्र।

हॉरर से डर लगता था, लेकिन टीम की मदद से आसान हुआ सफर : प्राजक्ता कोली

मुंबई/एजेन्सी

कंटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री प्राजक्ता कोली हालिया रिलीज साइकोलॉजिकल-हॉरर स्ट्रीमिंग सीरीज 'अंधेरा' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह हॉरर या पैरानॉर्मल जॉनर से ज्यादा अवगत नहीं थीं, लेकिन उनकी टीम की मदद से सब कुछ मुमकिन हो गया। प्राजक्ता सीरीज में एक पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह हॉरर शैली से ज्यादा वाकिफ नहीं हैं। शो की शुरुआत में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन शो के निर्माता और निर्देशक की मदद से उन्होंने जल्दी ही खुद को संभाल लिया और अच्छा काम किया।

अभिनेत्री ने बताया, मैं हॉरर जॉनर के लिए बिल्कुल नई थी; मैं डरावनी फिल्में या शोज नहीं देखती। इसलिए इसकी कहानी को अच्छे-से समझने के लिए शो के क्रिएटर गौरव और डायरेक्टर राघव

सर से लंबी बातचीत करती थी। शूटिंग के दौरान सीन से पहले और सीन के बीच में अगर कोई सवाल होता था, तो हम खुलकर बात करते थे। सेट पर माहौल काफी शानदार था, जिससे मुझे काम करना आसान लगा।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं हमेशा से ही इस बारे में विचार करती हूं, कि अगर किसी सीन की शूटिंग करनी है, तो उससे संबंधित डायलॉग को गहराई के साथ समझें, इससे काम करने में आसानी हो जाती है। लेकिन इस सीरीज की शूटिंग के दौरान मुझे ज्यादा समझने में या विचार करने की जरूरत नहीं पड़ी और इसकी वजह थे, लेखक और डायरेक्टर। उन्होंने कहानी और किरदारों को इतनी अच्छी तरह से लिखा था कि हमें अपने रोल निभाने में आसानी हुआ। वैसे सच बताऊं तो, मैंने 'द कॉन्जुरिंग' (हॉलीवुड फिल्म) के अलावा किसी भी पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर कहानी नहीं देखी है।

'अंधेरा' मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें इंस्पेक्टर कल्पना कदम और मेडिकल स्टूडेंट जय की कहानी दिखाई गई है, जो एक लापता व्यक्ति के केस में उलझ जाते हैं। यह केस उन्हें शहर के नीचे छिपी एक भयावह शक्ति की ओर ले जाता है।

यह सीरीज क्या होगा अगर अंधेरा जीवित हो जाए? जैसे काल्पनिक सवाल की खोज करती है। इसमें सुरवीन चावला और प्रिया बापट भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और राघव दार द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

'अब रोल में सिर्फ ग्लैमर नहीं, गहराई भी होती है' : प्रिया बापट

मुंबई/एजेन्सी

एक समय था जब फिल्मों में महिला किरदारों को सीमित दायरे में दिखाया जाता था, किसी की पत्नी, मां या प्रेमिका के किरदारों में। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। फिल्मों के साथ-साथ अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स भी महिला कलाकारों को दमदार भूमिकाओं में दिखा रहे हैं। साथ ही उन्हें अपने अभिनय का असली हुनर दिखाने का मंच भी दे रहे हैं। इसी बदलाव की एक शानदार मिसाल हैं अभिनेत्री प्रिया बापट, जो अपने नए शो 'अंधेरा' के जरिए एक बार फिर चर्चा में हैं। बीते 20 सालों से हिंदी और मराठी सिनेमा में सक्रिय प्रिया बापट ने फिल्मों में कई यादगार किरदार निभाए हैं। लेकिन उनका मानना है कि ओटीटी पर उन्हें वह आजादी और चुनौती मिली है, जिसकी एक कलाकार को हमेशा तलाश होती है। महिला किरदारों में आए बदलाव को लेकर भी उन्होंने अपनी राय रखी और कहा कि अब पर्दे पर सिर्फ ग्लैमर नहीं होता, महिला किरदारों में गहराई भी होती है।

प्रिया ने कहा, ''ओटीटी एक ऐसी जगह है जहां आपको किरदार की गहराई को समझने और निभाने का पूरा मौका दिया जाता है।'' वेब सीरीज 'सिटी ऑफ ड्रीम्स' से लेकर अब 'अंधेरा' तक, उनका सफर लगातार ऊंचाइयों की ओर बढ़ता दिख रहा है। बता दें कि 'अंधेरा' एक साइकोलॉजिकल-हॉरर थ्रिलर है, जिसमें प्रिया एक पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर कल्पना कदम की भूमिका में नजर आ रही हैं। मुंबई की पृष्ठभूमि में बनी यह कहानी एक लापता शख्स के केस से शुरू होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह केस एक डरावने रहस्य में बदल जाता है।

इस सीरीज में प्रिया के साथ-साथ सुरवीन चावला और प्राजक्ता कोली भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रही हैं। शो का राघव दर ने निर्देशन किया है और इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट ने किया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। ओटीटी को लेकर प्रिया का कहना है, ''ओटीटी पर महिलाओं के लिए अच्छे और मजबूत किरदार लिखे जा रहे हैं। अब सिर्फ ग्लैमर नहीं, किरदारों में गहराई भी होती है। अब महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाई जा रही हैं। यह एक ऐसा मंच है, जहां कलाकारों को कुछ नया करने की आजादी मिलती है और दर्शकों के सामने अलग-अलग कहानियों के विकल्प भी होते हैं।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई | मंगलवार | 19-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमारे जीवन में मिलने-जुलने, साथ रहने, बातें करने, घूमने या भोजन करने वाले हजारों लोग होते हैं, लेकिन अंत में साथ जाने वाले कितने मिलेंगे? जीवन में यह समझना जरूरी है कि हम साथ हैं, पर हमारा अस्तित्व अलग है और इस सच्चाई को ध्यान में रखकर जिएंगे तो किसी भी परिस्थिति में स्वयं को नियंत्रित कर सकेंगे।

ईर्ष्या, अपमान बोध, अहंकार से होता है 'महाभारत' : पंन्यास निर्मोहसुन्दर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महाभारत से महासार पर आज की परिस्थितियाँ पर केएलपी में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यासश्री निर्मोहसुंदर विजयजी म.सा. ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि भगवान को नाराज़ करेंगे, तो डॉक्टर के पास जाना होगा। डॉक्टर को नाराज़ करेंगे, तो भगवान के पास जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 5000 साल पहले जो हुआ,उस महाभारत की बातें करते-करते आज घरों में, संस्थाओं और सोसाइटी में जो महाभारत होने की संभावनाएं बन रही है, जिनसे महाभारत जैसी स्थिति खड़ी हो सकती है। उन्होंने समझाते हुए बताया कि महाभारत जैसी स्थिति ईर्ष्या, अन्याय की उपेक्षा, कमजोर कड़ी को कम न करना, अपमान बोध व अहंकार जैसी पांच बीच परिस्थियों के कारण पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि ईर्ष्या हम दूरवालों से नहीं बल्कि अपने आस-पास के लोगों से ही ज़्यादा करते हैं। पतंग हमेशा नज़दीकवालों की ही काटते है। जितना अंतर कम, उतनी ईर्ष्या अधिक पनपने की संभावना है। हमें अफ्रीका के जंगली हाथी नहीं बल्कि घर का मच्छर ही ज़्यादा परेशान करता रहता हैं। जो पाप को जानने पर भी छोड़ना नहीं चाहता। जो धर्म को जानने पर भी करना व अपनाना नहीं चाहता, वही पीड़ा का कारण है। जो पाप का कभी पछतावा नहीं करता, वह सारे के सारे दुर्योधन है, जो अपने दर पर आये भगवान को भी नकारे या वापस लौटाये वे सभी दुर्योधन हैं। इस अंतिम शिविर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। इस अवसर पर ट्रस्ट के ट्रस्टी भवरलाल परमार, मदनलाल दातेवाड़िया, कैलाश कोठारी व जितेश मेहता उपस्थित थे।

संयम लीला लहर है, संसार खारा ज़हर है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि संयम लीला लहर है और संसार खारा ज़हर है। उन्होंने कहा कि किम्पक फल कहता हैं कि मुझे जो खाएगा उसकी मृत्यु हो जाती है। वही किम्पक फल आपके घर में है, यह बाज़ार में नहीं मिलता। आगमकार कहते हैं कि पति-पत्नी अब यही किम्पक फल का सेवन करते ही जा रहे हैं। हम कहते हैं कि हम नहीं खाते, लेकिन लगातार इसका ही सेवन करते जा रहे हैं। यह सारे ज़हर हैं जिनका हम सेवन कर रहे हैं।

मुनिश्री ने प्रवचन में प्रश्न किया कि ऐसे ज़हर रूपी संसार में आपका सबसे प्यारा कौन है? तीन विकल्प दिए, पैसा, पत्नी या पुत्र। जवाब आया पैसा। लेकिन जब पुत्र का किडनैप हुआ और फिरौती में पैसा मांगा गया, तो क्या चाहिए पैसा या पुत्र? तब उत्तर आया - पुत्र। और जब प्रसव के समय पत्नी और पुत्र

दोनों की जान ख़तरे में हो, तो किसे बचाओगे? तब उत्तर आया - पत्नी। इसके बाद कहा गया कि अगर ऐसा माहौल हो जिसमें बचना नामुमकिन हो, तो किसे बचाओगे ख़ुद को या पत्नी को? जवाब आया ख़ुद को। मुनिश्री ने समझाया कि इसी तरह पैसा, पत्नी, पुत्र हर बार हम किसी न किसी विकल्प को चुनते हैं, मगर असल में कोई हमारा नहीं होता। वक़्त के साथ सब बदल जाता है। इसलिए सवाल है 'जीवन प्यारा है या शरीर प्यारा?' तो उत्तर है - यह जीवन आत्मा के कारण है और आत्मा सबसे प्यारी होती है।

मुनिजी ने कहा कि पर्व पर्युषण धर्म की ताक़त बताने के लिए है। इसलिए इसमें अपने धर्म की शक्ति का अनुभव करना चाहिए। धर्म कभी दिमाग से मत करना, वरना धर्म कभी नहीं होगा। यदि अपने से होता है तो करो, लेकिन कभी दूसरों को मत रोकना। उन्होंने कहा कि किसी को रोकना है तो पाप करने से रोको, धर्म करने से कभी मत रोको। पक्का संकल्प करना चाहिए कि पर्व पर्युषण में मुझे तपस्वी बनना है। पहला क़दम हमेशा आत्मविश्वास के साथ लेना चाहिए, तभी मंज़िल पक्की होती है।

इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिलाल पगारिया, संतोश पगारिया और धर्मराज चोपड़ा उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

शक्ति एवं जान का सही दिशा में उपयोग होना आवश्यक : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सैदापेट में श्री एस एस जैन स्थानक में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी से गौतम स्वामी ने जब सुबाहुकुमार के सौंदर्य यश वैभव के बारे में पूछा तो भगवान ने राजा श्रेणिक, चेलना रानी आदि का उदाहरण देते हुए सुबाहुकुमार के पूर्व जन्म के कर्म का उल्लेख किया। उन्होंने कहा हस्तिनापुर में सुमुख गाथापति नामक एक दृढ़ धर्मी श्रावक था, एक दिन वहां पर एक आचार्य भगवंत आए हुए थे जो कठोर तपस्वी थे और उनके पास सभी लब्धिया प्राप्त थी, जैन शास्त्रों में 28 लब्धियां हैं, लेकिन आचार्य ने कभी भी अपनी लब्धियों का दुरुपयोग नहीं किया और करना भी नहीं चाहिए। उदाहरण देते हुए मुनिश्री ने कहा कि रावण के पास भी अनंत शक्तियों का ज्ञान था पर उसने अपनी शक्ति का ज्ञान का दुरुपयोग किया। इसीलिए अपार शक्ति होते हुए भी रावण का सर्वनाश हो गया था। सुमुख गाथापति जो बड़े ज्ञानी विद्वान थे, गुणवान थे धनी थे फिर भी आचार्य भगवंत को आते देख उन्हें वो खुद स्वयं महल से बाहर जाकर बड़े आदर सत्कार से गुरु महराज से कहा आप हमारे घर आहार लेने पधारिए। हमारे घर को आपके श्री चरणों से पावन कीजिए। ऐसे बड़े ही विनम्र भाव से चारों प्रकार के आहार बहराने का लाभ लिया और सुमुखगाथा पति ऐसा अपने संपूर्ण जीवन में हर साधु संतों को सुपात्र दान बहराने का लाभ लेते गए। भगवान महावीर स्वामी ने गौतमप्रभु को बताया कि यही सुमुख गाथापति आयुष्य पूर्ण होने के बाद देवलोग गए उस पश्चात फिर से हस्तिनापुर के हस्तिशीष राज्य में राजा के पुत्र के रूप में जन्म लिया और वह सुबाहु कुमार कहलाए और इस जीवन में भी उन्होंने सुपात्र दान का लाभ लेते गए बाद में संयम जीवन की ओर आगे बढ़े। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने यह जानकारी दी

अवतारी बाबा रामदेव का वार्षिक महोत्सव 25 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री राम देव भवन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा अवतारी बाबा रामदेवजी का 62 वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही है। कार्यक्रम की शुरुआत 25 अगस्त ो सुबह 4:30 बजे प्रभात फेरी तथा सुबह 7:30 बजे से पं. रामचंद्र दवे द्वारा वैदिक विधि विधान के उपरांत महोत्सव का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम में प्रतिदिन मंगल आरती, संध्या आरती, शयन आरती की जाएगी तथा प्रतिदिन दैनिक चढ़ावे भी बोले जाएंगे। नौ दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत 30 अगस्त शनिवार को रात्रि 9 बजे से रथयात्रा के चढ़ावे बोले जाएंगे तथा महोत्सव के अंतिम दिन 2 सितंबर को रात्रि ग्यारह बजे से अखंड जागरण का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रतिदिन रात्रि कालीन 8 बजे से 11 बजे तक राजस्थान के प्रसिद्ध गायक कलाकार श्रवणदास वैष्णव एवं उनकी पार्टी द्वारा सुमधुर धुनों पर भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम की तैयारियों में श्री रामदेव भवन ट्रस्ट तथा श्री रामदेव मंडल के समस्त पदाधिकारीगण दिन रात लगे हुए है।

पुस्तकों पर स्वाध्याय प्रश्न मंच प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य हस्ती की अनमोल कृति जैन धर्म का मौलिक इतिहास पर अखिल भारतीय स्तर पर स्वाध्याय प्रश्न प्रतियोगिता का चेन्नई में आयोजन हुआ। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर. नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि आचार्य हीराचंद्र महाराज की आज्ञानुवर्तिनी महासती सुमतिप्रभा के इस वर्ष चेन्नई चातुर्मास में मासिक द्वितीय प्रश्न मंच कार्यक्रम जैन इतिहास के प्रसंग 17 अगस्त को किलपाक सामायिक स्वाध्याय भवन में सम्पन्न आयोजन में चेन्नई महानगर के अनेक क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाएं व युवाओं ने ग्रुप रुप में भाग लिया यह प्रश्न प्रतियोगिता जैन धर्म के इतिहास प्रसंग पुस्तक 6 से 10 पर आधारित रही। प्रश्न मंच प्रतियोगिता के सफलता पूर्वक आयोजन में अमिता कवाड मनीषा कांकरिया संगीता बोहरा सुमेरचन्द अशोक बागमार प्रसन्नचन्द व मोहित छाजेड़ का योगदान रहा।

महासती सौभाग्यवती म.सा की प्रेरणा से यह प्रतियोगिता चातुर्मास में हर रविवार को भोपाल में महावीर जैन स्थानक में आयोजित की जा रही हैं। आचार्य हस्ती प्रणीत 'जैन धर्म का मौलिक इतिहास' के भाग 1से 4 पर आधारित साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग के संपादन में चालीस भागों में प्रकाशित पुस्तक श्रृंखला 'जैन इतिहास के प्रसंग' प्रकाशित हुई हैं।

निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि डॉ. दिलीप धींग द्वारा संपादित जैन इतिहास की 40 पुस्तकों पर अब तक विभिन्न संस्थाओं द्वारा स्थानीय व प्रांतीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर की स्वाध्याय परीक्षाएँ हो चुकी हैं व इनके अनेक संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं। आचार्य हस्ती जन्म शताब्दी वर्ष 2010 में रत्नसंघ के तत्कालीन रत्न श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी एस सुराणा की प्रेरणा से यह 40 पुस्तकें तैयार की गई थी।

दूषण सम्यक्त्व की सबसे बड़ी बाधा : पं. विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने समकित के '67 बोल' ग्रंथांतर्गत सम्यक्त्व की तीन शुद्धि व पाँच दूषण में शंका नामक दूषण पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा, सम्यक्त्व तब तक असंभव है जब तक पांच दूषण का त्याग न हो। वे पांच दूषण है शंका, आकांक्षा, वितिगच्छा, मिथ्यामति गुणवर्णना और मिथ्यामति परिचय। उन्होंने कहा कि मन स्वच्छता का कारण है, परंतु जब मलिनता से ढक जाए तो वह दूषण बन जाता है। हमारा हरेक जीव के प्रति मैत्री का भाव होना चाहिए। परमात्मा वीतरागी हैं, उनके लिए राजा और रंक दोनों समान हैं। उनके वचनों में शंका नहीं करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि अर्थ बदलता है मगर मतलब हमेशा वही होता है। शंका बहुत बड़ा दोष है, जिसका समाधान गुरु के पास जाकर ही प्राप्त किया जा सकता है। कोई भी पुस्तक पढ़ रहे हो, उसमें गलत लिखा हुआ है, ऐसी सोच नहीं देखनी चाहिए। मेहनत के द्वारा उसका अर्थ समझना चाहिए। छद्मस्थ व्यक्ति भूल का पात्र है, लेकिन दोष निकालते ही दुःख भी मिट जाता है। पंन्यासश्री ने स्पष्ट किया कि परमात्मा के वचनों से पीछे नहीं हटना होना चाहिए। यदि दुःख आए तो यह भक्ति की कमी नहीं, बल्कि निकाचित कर्मों का उदय है।

उन्होंने कहा तीन सूत्र शाश्वत हैं, नवकार मंत्र, करेमि भंते, नमुत्थुणं सूत्र। मंदिर में भगवान नहीं हो तो अन्य देवी-देवताओं के सामने झुकना अनुचित है। हमें जिनशासन के सिद्धांतों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए। यदि कोई शरीर को पीड़ा पहुंचाए तो भी सहन कर लेना लेकिन परमात्मा के बिना अन्य देवी देवताओं को नमन नहीं करना, यह काय शुद्धि हैं। हमें जिनशासन के सिद्धांतों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए। साधर्मिक के प्रति हमदर्दी का भाव रखना धर्म का आधार है। प्रवचन के अंत में गुरुदेव ने समझाया कि शंका से बचकर स्पष्टता व निष्ठा के साथ जिनशासन का पालन ही सम्यक्त्व की सच्ची राह है।

चेन्नई होजरी एवं रेडीमेड होलसेलर्स एसोसिएशन

ललित भूतड़ा बने अध्यक्ष, सचिव बने शांतिलाल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 17 अगस्त को चेन्नई होजरी एंड रेडीमेड होल सेलर्स एसोसिएशन की 26वीं साधारण सभा हुई जिसमें निर्विरोध रूप से ललित भूतड़ा को अध्यक्ष व शांतिलाल गांधी को सचिव चुना गया। ईसीआर के फार्म हाउस में हुई सभा की बैठक में आगामी कार्यकाल 2025-2027 के लिए नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। चयनित पदाधिकारियों में अध्यक्ष ललित भूतड़ा, सचिव शांतिलाल गांधी, उपाध्यक्ष बी. गौतम चंद, सह सचिव अरविंद चोरड़िया एवं श्री नवीन चाँडक, कोषाध्यक्ष जय प्रकाश मालपानी चुने गए हैं। वहीं कार्यकारिणी समिति सदस्य में अशोक जैन, गुलाब चंद, बाबूलाल बिश्नोई, अरविंद जेठा, आर. भास्कर, योगेश मोहता, महावीर एवं दीपक सुराना को लिया गया है। सलाहकार मंडल में कमल मेहता, जितेंद्र जैन एवं अजित जैन हैं।

बैठक में कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रमोद मालपानी एवं राजेश मेलवानी शामिल थे। सभा के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सक्रिय, सशक्त एवं व्यवसायिक दृष्टि से उपयोगी बनाने का संकल्प लिया। साथ ही, सदस्यों के आपसी सहयोग और उद्योग जगत की प्रगति हेतु विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान डायरेक्टरी का भी विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में द्वारा करीब जीएसटी के लिए उपयोग में आने वाली वस्तुओं पर टैली द्वारा सॉफ्टवेर के माध्यम से उपस्थित सभी व्यापारियों को जानकारी दी गई।

बालिकाओं के लिए आवासीय डिवाइन टच संस्कार शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल के संचालन में महासती सुमतिप्रभा म.सा. के सान्निध्य में बालिकाओं के संस्कार रोपण हेतु त्रिदिवसीय आवासीय डिवाइन टच शिविर का आयोजन किलपाक में स्थित सामायिक स्वाध्याय भवन में रखा गया,जिसमें 110 बालिकाओं ने भाग लिया। संस्कारीय शिविर में महासती सिन्धुप्रभा म.सा, तितिक्षा म.सा, वर्षा म.सा, संगीता मेहता, सीमा भंसाली, विनीता सुराणा, दिनेश भंसाली, अशोक बोकड़िया ने विभिन्न कक्षाओं के माध्यम से नैतिकता व व्यवहारिकता, धार्मिकता आदि सद्गुणों को समझाते हुए प्रेरणास्प्रद उद्बोधन दिया।

शिविर समापन कार्यक्रम में बालिकाओं ने अपने अनुभव बताए व विजेताओं की घोषणा मण्डल की मन्त्री दीपिका बागमार ने की। महासती अंजना म.सा ने शिविरार्थियों को उद्बोधन करते हुए मांगलिक सुनाई। शशि कांकरिया, दिव्यज्योति चौधरी, दीपिका बागमार, इन्द्रा बोहरा, शोभा चोरडिया पदाधिकारीगण संग श्राविका मण्डल, श्रावक संघ, युवक परिषद्, तमिलनाडु के अनेक कर्मठ कार्यकर्ताओं का शिविर में पूर्ण सहयोग रहा। यह जानकारी श्राविका मण्डल तमिलनाडु के अध्यक्ष शशि कांकरिया ने दी।

'शब्द' की रचना गोष्ठी प्रभावी रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की गत रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी में स्वतंत्रता की प्रबल गूँज आरंभ से अंत तक सुनाई दी। वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित रचनागोष्ठी का संचालन कवयित्री ऋताशेखर मधु ने किया। आजादी, प्रकृति, प्रेम, पावस और मानवीय सरोकार से ओतप्रोत इस कविता पाठ कार्यक्रम में गीतकार लोकेश मिश्र ने चाँद के ब्याज से सुमधुर गीत सुनाए। 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा ने पावस केंद्रित लोकगीत सुनाए। हंसराज मुणोत और प्रकाश यादव ने आजादी के भाव से ओतप्रोत कविताएं सुनाईं। सुधा दीक्षित की गज़लों ने खूब प्रशंसा बटोरी। दीपक सोपोरी तथा राजेन्द्र गुलेच्छा की कविताएं भी श्रोताओं द्वारा सराही गईं। गीता चौबे ने विविध भावों के गीत सुनाए। नमिता सिन्हा एवं ऋताशेखर मधु की काव्य प्रस्तुतियाँ भी अच्छी थीं। ऋता जी का संचालन बड़ा सधा हुआ था। रचना उनियाल का अध्यक्षीय उद्बोधन तथा गीतों की प्रस्तुति प्रभावशाली रहा ।

'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने अपनी गजल सुनाने से पहले कविता की कलात्मकता और उसके रहस्य की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कविता में समय की अनुगूँज बहुत मायने रखती है। कविता का अपना पक्ष और सुस्पष्ट दृष्टि होती है। आलोचक का काम इसी पक्ष एवं दृष्टि को समझना तथा उनके आधार पर कविता के महत्त्व का उद्घाटन करना होता है। लोकेश मिश्र के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ काव्य गोष्ठी संपन्न हुई।

सुख के सही मार्ग की खोज करो : आचार्य विमलसागरसूरी

कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने किए संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरजी ने कहा कि भीतर की उपलब्धियों को कोई छीन नहीं सकता। वे कभी नष्ट भी नहीं होती। इस सत्य को समझकर इच्छाओं, तृष्णाओं, कामनाओं और भोग-वासनाओं को कम करने की आवश्यकता हैं। लाख कोशिशों के बावजूद वे कभी पूरी नहीं हो सकती। ज्ञानियों के इस आशीर्वाद को हमेशा याद रखना चाहिए। ज्यों-ज्यों हम इच्छाओं और वासनाओं की पूर्ति के लिए प्रयत्न करते है, त्यों-त्यों वे अधिक बढ़ती ही जाती हैं। वे तृप्ति का आश्वासन देकर मनुष्य को और अधिक अतृप्ति की ओर ले जाती हैं।

आज तक के इतिहास में कोई भी व्यक्ति अपनी सभी इच्छाओं और वासनाओं को कभी पूरी नहीं कर सका। बस, यह अतृप्ति और असंतोष ही दुःख का मार्ग है। आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि मनुष्य का मन सदैव सुख चाहता है, लेकिन जिस तरह हम जीते हैं, उससे दुःख ही मिलता है। सुख और दुःख सिर्फ बाहर से ही प्राप्त नहीं होते, भीतर से भी उत्पन्न होते हैं। बाहर के बाजय भीतर का प्रभाव अधिक होता है। सुख की तलाश में बाहर की दुनिया में हम कितना भी भटकें, यदि उसका अस्तित्व हमारे भीतर नहीं हैं तो उसे कहीं से भी प्राप्त नहीं किया जा सकता। सुख की प्राप्ति और दुःख से मुक्ति की मनुष्यजाति की दौड़ हर काल में रही है। हजारों कोशिशों के बाद भी सुख कम ही पड़ता है और दुःख ज्यादा ही मिलता है। इसलिए सबसे पहले सुख के सही मार्ग की तलाश जरूरी है। ङ्घसंघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि कर्नाटक सरकार के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने आचार्य विमलसागरसूरीजी से मुलाकात कर आशीर्वाद ग्रहण किया। जैनाचार्य ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे बिना किसी भेदभाव के सबकी उन्नति, सुरक्षा और न्याय के लिए काम करें। जैनाचार्य ने उनके पिता कृष्णगौड़ा पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स और निजलिंगप्पा के साथ के उनके परिचय का जिक्र किया।

सभी रोगों की जड़ है चिंता : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चिंता के मकड़ी जाल में मानव फंसता जाता है, उस ज्वाला में सदगुण नष्ट हो जाते हैं, आत्मा में कर्मों का बंधन होता है, शरीर और स्वास्थ्य रोगों का घर बन जाता है। उक्त विचार राष्ट्रसंत कमल मुनिजी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि चिता तो मुर्दे को जलाती है, परंतु चिंता शरीर आत्मा दोनों को जला देती है। चिंता और धार्मिकता दोनों एक साथ एक जीवन में नहीं रह सकते हैं।

उन्होंने कहा कि चिंता से चिंतन के द्वारा बंद हो जाते हैं बुद्धि भ्रमित हो जाती है अंधकार ही अंधकार छा जाता है। चिंता के स्थान पर चिंतन करें हर समस्या का समाधान निकाल सकता है। संकट परेशानी से मुक्ति पा सकता है।

राष्ट्रसंत ने बताया कि चिंता और टेंशन दोनों ही पर्यायवाची शब्द है। चिंता और टेंशन से मुक्त होने के लिए व्यक्ति नशे का सहारा लेता है। उसे नया टेंशन एक और खड़ा हो जाता है। जैन संत ने कहा कि सभी रोगों की जड़ चिंता है। इसी से ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक, डिप्रेशन ब्रेन हेमरेज जैसे अनेक को रोगों का शिकार हो जाता है।

अंत में कहा कि डॉक्टर वैद्य विज्ञान को सरकार के पास चिंता से मुक्त करने का कोई साधन नहीं है। सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक चिंतन मुक्ति दिला सकता है। जहां चिंता होगी वहां आराधना उपासना भक्ति त्याग तपस्या उसे ज्वाला में जलकर स्वाहा हो जाएगी।

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ साहूकार पेट के तत्वाधान में 20 से 27 अगस्त तक आध्यात्मिक पर्युषण पर्व की आराधना की जाएगी। जिसमें प्रतिकमण प्रतिदिन सूर्योदय के साथ प्रार्थना, आंतकगढ़ सूत्र का वांचन एवं प्रवचन होगा।

संचालन डॉक्टर संजय पिंचा ने किया।

पर्युषण में महामंडल करेगा चेन्नई में घर-घर प्रभु दर्शन-पूजा

चेन्नई। पर्युषण पर्व, आत्मशुद्धि और सेवा का अद्वितीय संगम है। पिछले कई वर्षो से लगातार श्री तमिलनाड जैन महामंडल द्वारा चेन्नई की विभिन्न गौशालाओं में 9 दिन लगातार जीवदया का कार्यक्रम रखा जाता है, जिससे असंख्य निरुपाय जीवों को चारा व कबूतरों को दाना दिया जायेगा। साथ ही, जो बुजुर्ग या असहाय श्रद्धालु अपने घरों से बाहर नहीं आ सकते, उनके लिए भी प्रभु दर्शन व पूजा की विशेष व्यवस्था की गई है। साहूकारपेट में आत्मवल्लभ जैन सेवा मंडल तथा केएलपी अपार्टमेंट में श्री संकल्प वर्धना ग्रुप के कार्यकर्ता भगवान की मूर्ति लेकर उनके घर पहुंचेंगे और दर्शन व पूजा कराएंगे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.